लखनऊ

मंगलवार 24 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 337

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

खोया समय कभी फिर नहीं मिलता। - बेंजामिन फ्रैंकलिन

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

मेरठ मेडिकल कॉलेज में सर्जरी के लिए भर्ती किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मेरठ। मेरठ के सरकारी मेडिकल कॉलेज में पैर के ऑपरेशन के लिए भर्ती एक किशोरी से एक अन्य मरीज के तीमारदार ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा ने घटना की पुष्टि करते हुए पीटीआई-को बताया कि मेडिकल थाना पुलिस ने 15 वर्षीय पीड़िता की मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को रविवार रात को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता का आज मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता को 20 जून को पैर की सर्जरी के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इसी वार्ड में उत्तराखंड के काशीपुर का निवासी मोहित नामक युवक भी भर्ती था। पीड़िता की मां के मुताबिक घटना की रात किशोरी शौचालय गई थी, जहां मोहित के भाई रोहित ने उससे दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार किशोरी ने डर के चलते दो दिन तक कुछ नहीं बताया, लेकिन फिर उसने रविवार शाम कोअपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद मेडिकल थाने में मुकदमे के लिए तहरीर दी गई। मेडिकल थाना प्रभारी शीलेश कुमार यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी रोहित (20) को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मामले में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बड़ा खिलाड़ी तो अपना भारत निकला, ईरान में फंसाने चले थे ट्रंप, रूस के साथ मिलकर पलट दी पूरी बाजी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की जंग ने इजरायल ईरान जंग को और भी ज्यादा भड़का दिया है। डोनाल्ड ट्रंप जानते थे कि अमेरिका की सेना जैसे ही ईरान पर हमला करेगी तो ईरान की सरकार एक बड़ा कदम उठाएगी। ईरान ने वो बड़ा कदम उठाने का ऐलान भी कर दिया है। दिलचस्प बात ये है कि अमेरिका की वजह से ईरान की सरकार जो कदम उठाने जा रही है उसका बुरा असर अमेरिका नहीं बल्कि भारत, चीन और जापान जैसे देशों पर पड़ सकता है। लेकिन भारत ने इससे पहले ही एक बड़ा खेल कर दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने तो अपना शातिर दिमाग लगा लिया। लेकिन ट्रंप जितना सोचते हैं, उससे 10 कदम आगे की तो भारत पहले से ही सोच कर रखता है। पीएम मोदी ने रूस के साथ पहले से ही एक ऐसी डील कर ली, जिसने पूरे खेल को पलट कर रख दिया। इजरायल संघर्ष में अमेरिकी एंट्री के बाद ईरान ने चेतावनी दी कि वह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण तेल गलियारे जलडमरू मध्य को बंद कर सकता है। ईरान की संसद में इस फैसले को मंजूरी दी गई। हालांकि, इस फैसले को अंतिम मंजूरी ईरान की सुप्रीम नैशनल सिक्योरिटी काउंसिल देगी। अमेरिका के खिलाफ ईरान की बड़ी ताकत 33 किमी चौड़ा होर्मूज समुद्री गलियारा है। दुनिया की 26% क्रूड ऑयल सप्लाई यहीं से है। ईरान यहां अमेरिकी टैकरों को निशाना बनाता है।

माओवादियों के अड्डे तहस-नहस: 'जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नवा रायपुर (छत्तीसगढ़) में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा, मोदी जी के नेतृत्व में जब मार्च, 2026 में देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, वो क्षण आजादी के बाद के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक होगा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र का बच्चा जब हाथ में बंदूक की जगह पेंसिल पकड़ता है, तो न सिर्फ एक क्षेत्र बल्कि पूरे देश का भविष्य संवरता है। नक्सली हिंसा गरीबों और आदिवासियों के लिए बहुत बड़ी विभीषिका रही है। जब नक्सलवाद से मुक्ति की विजय गाथा लिखी जाएगी, उसमें सुरक्षा बलों के परिश्रम, त्याग व बलिदान को स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जायेगा। माओवादियों के अड्डे तहस-नहस हो रहे हैं। हमारे जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं। शाह ने नक्सल के खात्मे में लगे सुरक्षा बलों की पीठ ठोकी है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, जिस क्षेत्र से नक्सलवाद खत्म हो रहा है, वहाँ हमारी सरकार अनाज, स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा, घर, और पीने का शुद्ध पानी पहुंचाकर लाल आतंक का समूल नाश कर रही है। जवानों के साथ बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक आसूचना ब्यूरो, डीजी बीएसएफ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां उपस्थित केंद्रीय सुरक्षा बलों, कोबरा टीम, छत्तीसगढ़ पुलिस बल और डीआरजी के साहस, शौर्य, बलिदान और समर्पण को नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि सुरक्षा बल के जवान अपने शौर्य और परिश्रम से ही नक्सलियों के साथ मुठभेड़ को सफल बनाते हैं। सुरक्षा बलों ने जिस शौर्य, धैर्य और समर्पण के साथ माओवादियों के बनाये अड्डों को तहस-नहस किया है, उसने विश्व के सभी सुरक्षा बलों को आश्चर्यचकित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि सेना के जवान जो तय करते हैं, वो हासिल करते हैं। सुरक्षा बलों के इसी भरोसे से मैं देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद खात्मे का ऐलान करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि नक्सलवाद गरीब आदिवासी क्षेत्र के लिए बड़ी विभीषिका रही है।

इजराइल-ईरान मामले में नैतिक साहस दिखाए सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका के हमले तथा ''इजराइली आक्रामकता'' की अब तक निंदा नहीं की है और वह गाजा में ''नरसंहार'' पर भी चुप है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अब सरकार को पहले की तुलना में अधिक नैतिक साहस का परिचय देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत होनी चाहिए। अमेरिका ने रविवार तड़के ईरान में तीन यूरेनियम संवर्धन केन्द्रों फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया था। पिछले 10 दिन से ईरान और इजराइल के बीच सैन्य संघर्ष जारी है। कांग्रेस नेता ने कहा, भारत सरकार को अब तक की तुलना में अधिक नैतिक साहस का प्रदर्शन करना चाहिए।

गर्लफ्रेंड फोटो वायरल होने के बाद पहली बार तेज प्रताप ने की बात

पटना, एजेंसी। तेज प्रताप यादव बीच-बीच में सोशल मीडिया पर एक-दो लाइन लिखकर या कोई तस्वीर डालकर राष्ट्रीय जनता दल के अंदर बवाल खड़ा कर रहे थे। लेकिन, अब बिहार के सबसे चर्चित राजनीतिक परिवार के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने पिता लालू प्रसाद और छोटे भाई तेजस्वी यादव को लेकर भी बात की। यह भी बताया कि वह किसकी इज्जत करते हैं, किसे आशीर्वाद देते हैं, क्यों-किसे-किस बात की शुभकानाएं देते है। साथ ही साथ, यह भी बता दिया कि उनकी निजी जिंदगी में दखल देने वालों के साथ वह क्या करेंगे? 'चार-पांच लोगों ने साजिश कर मुझे पार्टी से बाहर निकालने का काम किया। मुझे पूरी तरह से अकेला करने के लिए यह खेल किया गया। हम जनता के बीच जाएंगे। जनता न्याय करेगी। वह चार-पांच लोग जो बैठे हैं, वह अन्याय करते रहेंगे- ऐसा नहीं संभव है। ज्यादा हमको दबाएगा तो न्यायालय का सहारा लेंगे।' 'तेजस्वी मुख्यमंत्री बने, एक बड़े भाई के रूप में पूरे तरीके से उनको हमारा आशीर्वाद है। हमारा पूरा सहयोग रहेगा, वह आगे बढ़ें। बड़ा भाई होने के नाते मेरा आशीर्वाद रहेगा। बड़ा भाई सिर्फ आशीर्वाद दे सकता है।उनका भविष्य उज्ज्वल हो। हम कामना कर सकते हैं। जिस तरह न्यूज में मेरे जीवन के बारे में चला तो मैं बताना चाहता हूं कि अगर उसमें कोई कूदना चाहता है तो फरिया लेंगे। हम कोर्ट का सहारा लेकर आगे बढ़ेंगे।' 'हमने किसी के लिए कभी गलत नहीं सोचा। अपने माता-पिता का रिस्पेक्ट किया है, सम्मान किया है। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में उतरे हमारे पिताजी को शुभकामनाएं।

जातीय जनगणना में गड़बड़ी की आशंका, गांव-गांव जागरुकता अभियान चलाएगी सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने 2027 में प्रस्तावित जातीय जनगणना को लेकर संभावित गड़बड़ियों पर आशंका जताई है। पार्टी का मानना है कि भाजपा सरकार तकनीक और संसाधनों के जरिए इस जनगणना में खेल कर सकती है। इससे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों को हानि हो सकती है। इसको लेकर सपा ने पूरे प्रदेश में गांव-गांव जागरुकता आंदोलन चलाने का फैसला किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि भाजपा जातीय जनगणना में गड़बड़ी कर सकती है। इसलिए, कार्यकर्ताओं को सही जाति दर्ज कराने के लिए जनता को जागरूक करना होगा।

पीएम मोदी पर खरगे ने साधा निशाना

'विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश जनता नहीं करेगी बर्दाश्त'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम पर विपक्ष को हल्के में लेने और पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुई सर्वदलीय बैठकों से दूरी बनाए रखने का आरोप लगाया। कर्नाटक के रायचूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि देश इस समय एक कठिन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने बताया, 'हाल ही में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों की जान ले ली। इसके जवाब में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर हमला कर उन्हें मार गिराया।'

खरगे ने बिना नाम लिया साधा निशाना

इस दौरान खरगे ने कहा कि जब पूरा देश और सेना एकजुट होकर देश की रक्षा कर रहे थे, तब कुछ लोग इसका व्यक्तिगत श्रेय लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'अगर वे सेना में कप्तान, कर्नल या लेफ्टिनेंट कर्नल रहे होते और देश के लिए लड़े होते, तो हम उनकी तारीफ करते। लेकिन ऐसा तो हुआ ही नहीं।' हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

पहलगाम हमले से बाद कांग्रेस ने की थी सर्वदलीय बैठक की मांग

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद सर्वदलीय बैठक की सबसे पहले मांग कांग्रेस ने की थी। खरगे ने सवाल उठाया कि, 'दो बार बैठक बुलाई गई, लेकिन प्रधानमंत्री एक बार भी नहीं आए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि वह क्यों नहीं आए?'। उन्होंने बताया कि देशभर के नेता कश्मीर से कन्याकुमारी तक अपनी व्यस्तताएं छोड़कर बैठक में शामिल हुए, लेकिन प्रधानमंत्री देश में मौजूद होने के बावजूद नहीं आए।

'पीएम मोदी बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे'

खरगे ने कहा, 'वह उस समय बिहार चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। जब देश के जवान और जनता एक तरफ लड़ाई लड़ रहे थे, तब प्रधानमंत्री दूसरी तरफ प्रचार में लगे थे। यह सही नहीं है'। इसके साथ ही खरगे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार विपक्ष को नीचा दिखाने की कोशिश करेगी, तो देश की जनता, खासकर युवा वर्ग इसे सहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा, 'अगर आप विपक्ष और उसके नेताओं को छोटा समझेंगे, तो यह रवैया देश के लिए ठीक नहीं है'।

कांग्रेस की गारंटियां देशभर में लागू हैं- खरगे

खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस की गारंटी योजनाएं देशभर में प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ नेता और राजनीतिक पार्टियां जलन के कारण हमारी योजनाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जनता समझदार है, वे इनकी बातों में नहीं आएंगे'। खरगे के साथ मंच पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कांग्रेस मंत्री और विधायक भी मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने रायचूर विश्वविद्यालय के नामकरण समारोह में भी हिस्सा लिया और कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

पहलगाम आतंकी हमले का गिरोह 2023 से जम्मू-कश्मीर में था सक्रिय, पुंछ के जरिए घुसपैठ की

अनंतनाग। पहलगाम आतंकी हमले की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसियों ने खुलासा किया है कि आतंकी इस घटना को अंजाम देने के लिए 2022 के अंत या 2023 की शुरूआत से पूरे जम्मू-कश्मीर में सक्रिय थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकवादी समूह ने पुंछ में डेरा की गली (डीकेजी) के जरिए घुसपैठ की थी। संदेह है कि एक साल से अधिक समय तक जम्मू-कश्मीर में सक्रिय रहने के कारण उन्होंने भारतीय सुरक्षा बलों पर 3 बड़े हमलों को अंजाम दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकवादी समूह ने सबसे पहले 21 दिसंबर, 2023 को पुंछ के सुरनकोट के बुफ्लियाज इलाके में गोलीबारी की थी। यहां डीकेजी में घात लगाकर बैठे आतंकियों ने भारतीय सेना के 4 जवानों को मार दिया था। इसके बाद उन्होंने मई 2024 में सुरनकोट में बकरबल मोहल्ले में भारतीय वायुसेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इसके बाद पुंछ के घने जंगलों से आतंकवादी समूह अगस्त-सितंबर 2024 में डीकेजी - बुफलियाज मार्ग के जरिए कश्मीर आ गया था। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, बडगाम में समूह 2 समूहों में बंट गया, जो गुलमर्ग और सोनमर्ग की ओर बढ़ गया। सोनमर्ग के पास 20 अक्टूबर, 2024 को एक स्थानीय आतंकवादी जुनैद ने पाकिस्तानी आतंकी के सहयोग से प्रवासी श्रमिकों प गोलीबारी की थी। इसके बाद 26 अक्टूबर को गुलमर्ग में सेना के ट्रक पर हमला किया था। भारतीय सेना ने 2024 की दूसरी छमाही में इनके खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था, जिसके बाद जुनैद को मार गिराया गया। जांच में पता चला कि दोनों आतंकी समूहों ने पहलगाम हमले से पहले खुद को संगठित कर लिया और मिल गए थे। उनको ढूंढने के लिए भारतीय सेना ने तीन स्थानों, हपतनार, त्राल और डीएच पोरा से संचार संकेतों को इंटरसेप्ट किया, जो पदचिह्न और संभावित सुरक्षित क्षेत्रों का सुझाव देता है।

'पीएम मोदी की वैश्विक सक्रियता भारत की प्रमुख ताकत', फिर प्रधानमंत्री की तारीफ में थरूर ने पढ़े कसीदे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक स्तर पर भूमिका की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी ऊर्जा, सक्रियता और संवाद करने की इच्छाशक्ति भारत के लिए एक प्रमुख संपत्ति है। हालांकि शशि थरूर की ये टिप्पणी कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक लाइन से मेल नहीं खाती, जो लगातार मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना कर रही है। कांग्रेस नेता का यह लेख एक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है, जिसमें उन्होंने हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक पहल को 'राष्ट्रीय संकल्प और प्रभावी संप्रेषण' का उदाहरण बताया।

शशि थरूर ने अपने लेख में लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा, सक्रियता और वैश्विक स्तर पर संवाद की तत्परता भारत की एक बड़ी ताकत है, जिसे और अधिक समर्थन मिलना चाहिए।' उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले और उसके जवाब में शुरू हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक सक्रियता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया।

एकजुटता से मिली कूटनीतिक जीत- थरूर

कांग्रेस नेता ने बताया कि उन्होंने एक सात सदस्यीय बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसने अमेरिका समेत गयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील जैसे देशों की यात्रा की। इन दौरों का उद्देश्य था दुनिया को यह समझाना कि भारत का हमला आतंकवाद के खिलाफ एक आत्मरक्षा का कदम था, न कि किसी राष्ट्र के खिलाफ युद्ध। उन्होंने कहा, 'हमारी एकजुटता ने दुनिया के सामने एक मजबूत संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के मुद्दे पर एक स्वर में बोलता है, चाहे अंदरूनी राजनीति में कितने भी मतभेद हों।'

कोलंबिया का समर्थन, अमेरिका से भी सहमति

शशि थरूर ने दावा किया कि भारत की कूटनीति की सफलता इस बात से साबित होती है कि कोलंबिया ने अपने पहले दिए गए बयान (जिसमें पाकिस्तान में नागरिक मौतों पर संवेदना जताई गई थी) को वापस लेकर भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में भी भारतीय पक्ष को सहानुभूति मिली, जबकि वहां पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के इस दृष्टिकोण का समर्थन किया कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए।

सिंगल मदर के बच्चों को हक देने की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

दत्तक बच्चों को भी सर्टिफिकेट में दिक्कत

याचिका में यह भी बताया गया है कि अगर कोई सिंगल मदर किसी बच्चे को गोद लेती हैं और वह महिला खुद ओबीसी वर्ग से आती हैं, तब भी उनके दत्तक बच्चे को ओबीसी सर्टिफिकेट नहीं मिलता। कारण वही है कि मौजूदा नियम सिर्फ पिता की जाति पर आधारित हैं। ऐसे में यह प्रावधान सिंगल मदर और उनके बच्चों के अधिकारों का हनन करता है।

नई दिल्ली। देश में सामाजिक न्याय और बराबरी को लेकर एक अहम मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। यह मामला उन बच्चों से जुड़ा है, जिनकी परवरिश अकेली मां कर रही हैं और वे ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) वर्ग से आती हैं। लेकिन मौजूदा नियमों के तहत इन बच्चों को ओबीसी सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से जवाब तलब किया है। दरअसल, मौजूदा समय में ओबीसी सर्टिफिकेट के लिए बच्चे के पिता, दादा या चाचा की जाति प्रमाणित करना जरूरी होता है। यही वजह है कि जिन बच्चों की परवरिश अकेली मां कर रही हैं, उन्हें ओबीसी सर्टिफिकेट मिलने में परेशानी होती है, भले ही मां खुद ओबीसी वर्ग से क्यों न हो। इसी व्यवस्था को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की गई है। याचिका में इस बात को भी प्रमुखता से उठाया गया है कि एससी (अनुसूचित जाति) और एसटी (अनुसूचित जनजाति) वर्ग में यदि कोई महिला अकेली मां है, तो उसके बच्चों को मां की जाति के आधार पर जाति प्रमाणपत्र मिल जाता है। लेकिन ओबीसी वर्ग के मामले में ऐसा नहीं है। याचिकाकर्ता का कहना है कि यह भेदभाव संविधान में मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है।

22 जुलाई को अंतिम सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे 22 जुलाई को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। साथ ही कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे अपनी याचिका की कॉपी सभी राज्य सरकारों को भेजें, ताकि सभी पक्ष इस मुद्दे पर अपना पक्ष रख सकें। इससे पहले केंद्र और दिल्ली सरकार से भी विस्तृत जवाब मांगा गया है।

कानूनी जानकारों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगर स्पष्ट दिशा-निर्देश देता है, तो इससे ओबीसी वर्ग में सिंगल मदर के बच्चों को उनका हक मिल सकेगा। यह फैसला न सिर्फ दिल्ली, बल्कि पूरे देश में समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा बदलाव ला सकता है। अब सभी की नजरें कोर्ट के फैसले पर टिकी हैं।

भीषण गर्मी के बाद अब झमाझम बरस रहे मेघ

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून के असर के चलते देश के लगभग हर राज्य में बारिश ने दस्तक दे दी है, जिससे तापमान में गिरावट नजर आ रही है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार (23 जून) को कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश की चेतावनी दी है। साथ ही उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा में 26 जून तक भारी से बहुत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इसके अलावा पूर्वोत्तर भारत में अगले 3 दिन झमाझम बरसात होने के आसार हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से होते हुए तय समय से 10 दिन पहले रविवार को पंजाब पहुंच गया। लद्दाख के सभी क्षेत्रों के साथ जम्मू-कश्मीर में भी मानसून सक्रिय हो गया है। ऐसी ही परिस्थिति रही तो अगले 2 दिनों में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के अधिकतर हिस्सों में पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने 23 और 24 जून को मध्य प्रदेश में अति भारी बारिश की चेतावनी दी है। राजस्थान में भले ही मानसून ने दस्तक दे दी है, लेकिन पूर्वी हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जबकि पश्चिमी जिले गर्मी की मार झेल रहे हैं।1-2 दिन में पश्चिमी राजस्थान में मानसून पहुंच सकता है। उत्तर प्रदेश में मानसून ने लगभग पूरे राज्य को कवर कर लिया है। यहां 23 जून को कुछ जगह मेघ बरस सकते हैं, जबकि कुछ जगह भारी बारिश का अनुमान है। बिहार में भी झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। आईएमडी के अनुमान के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 24 जून को मानसून दस्तक दे सकता है।

बस में सीट पर छटपटा रहा था धड़...नीचे सड़क पर पड़ा बालक का सिर, बाप अंगोछे से पोंछ रहा था चेहरे पर लगा खून

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। हाथरस में ग्यारह साल का मोहम्मद अली अपने भाइयों की बरात में जा रहा था। पांच दिन पहले ही अपने वालिद के साथ जाकर बाजार से नई पेंट शर्ट खरीदकर लाया था। बड़ा खुश था अली। वह बस में दूसरे बच्चों के साथ सबसे पीछे वाली सीट पर खिड़की के पास बैठा था।

बस हाजीपुर रेलवे फाटक पर रुकी तो अली बाहर खड़े अपने वालिद को देखने के लिए खिड़की से झांकने लगा। इसी दौरान सामने से आई मैक्स से उसकी गर्दन कट गई। सिर सड़क पर गिर गया जबकि धड़ सीट पर था। इसे देख बस में चीखपुकार मच गई। वहीं, आस मोहम्मद सड़क पर पड़े अपने बेटे के सिर को हाथ में लेकर बिलखने लगा।

बस में 65 लोग थे सवार

मोहम्मद अली का सिर उसके वालिद आस मोहम्मद के हाथ में था जबकि ताऊ साबूउद्दीन बच्चे के धड़ को हाथों में लेकर बिलख रहे थे। बस की सीट पर भी खून ही खून बिखरा हुआ था। पिता तो अपने बेटे का सिर लेकर इधर-उधर दौड़ रहा था। हर तरफ चीख-पुकार थी। इस दर्दनाक हादसे के बाद यहां ट्रैफिक भी रुक गया था।

परिवार वालों ने बताया कि मोहम्मद अली अपने भाइयों की बरात में जाने को लेकर बहुत उत्सुक था। लेकिन कौन जानता था कि बरात पहुंचने से पहले ही वह दर्दनाक हादसे का शिकार हो जाएगा। परिवार वालों ने बताया कि बस में छोटे बड़े सब मिलाकर 65 लोग सवार थे।

सिर को धड़ से जोड़ने की कोशिश करता रहा बदहवास पिता

दरअसल जिस मार्ग से बस जा रही थी वह संकरा था। सामने से मैक्स आई तो बस रुक गई। मैक्स भी रुक गई। काफी देर दोनों वाहनों के चालक गाड़ियों को आगे पीछे करके निकलने की कोशिश करते रहे मगर काफी देर तक दोनों गाड़ियां फंसी रहीं। बाद में किसी तरह दोनों वाहन धीरे धीरे बढ़ने लगे। स्थिति यह थी दोनों ही वाहन एक दूसरे से सटकर निकल रहे थे।

खिड़की से झांकने लगा मोहम्मद अली

इसी दौरान मोहम्मद अली खिड़की से झांकने लगा और उसकी गर्दन दोनों वाहनों के बीच में फंसकर कट गई और धड़ से अलग होकर सड़क पर गिर गई। सिर को पिता ने उठा लिया और धड़ को लेकर उसका ताऊ नीचे आया। पिता ने अपने बेटे के सिर को धड़ से जोड़ने की कोशिश की। सब जान रहे थे कि बालक की मौत हो चुकी है लेकिन पिता मानने को तैयार नहीं था। कभी अंगोछा बांधकर बहता खून रोकने की कोशिश करता तो कभी सिर को धड़ को जोडने की।

शादी की खुशियां बदली मातम में, बरात लौटी वापस, चंद लोग हुए शादी में शामिल

इस दर्दनाक हादसे के बाद शादी की खुशियां गम में बदल गईं। कुछ लोग तो बस से उतरकर वापस अपने घरों को आ गए थे। दस से पंद्रह लोगों की मौजूदगी में ही विवाह की रस्म की गई। परिवार वालों ने बताया कि कुछ वाहनों की व्यवस्था करके बरातियों को घरों को वापस भेजा गया था।

बस की खिड़की से झांक रहे बालक का सिर धड़ से कटा

अलीगढ़ से हाथरस के गांव मेवली जा रही बरात की बस की खिड़की से झांक रहे मोहम्मद अली (11) की गर्दन मैक्स की चपेट में आकर धड़ से अलग हो गई। यह दर्दनाक हादसा रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे जंक्शन क्षेत्र में हाजीपुर रेलवे फाटक के पास हुआ।

हादसे के वक्त मोहम्मद अली अपने दो चचेरे भाइयों की बरात में जा रहा था। वह अलीगढ़ शहर के मकदूम नगर कमेला रोड निवासी आस मोहम्मद का पुत्र था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद चालक बस और मैक्स छोड़कर भाग गए।

आस मोहम्मद के बड़े भाई साबूद्दीन के बेटे साहिल और उनके छोटे भाई बाबूद्दीन के बेटे दानिश की बरात गांव मेवली में दो भाइयों अफसर और बॉबी के यहां जा रही थी। रविवार दोपहर बस कैलोरा-जलेसर मार्ग पर हाजीपुर में रेलवे फाटक पर बन रहे ओवरब्रिज के निकट पहुंची।

यहां निर्माण के चलते वाहनों के आने-जाने के लिए सर्विस रोड बनाई गया था। मेरठ मेडिकल कॉलेज लाते वक्त रोपी की सुरक्षा में सहारनपुर पुलिस के चार पुलिसकर्मी तैनात थे। इनमें उप निरीक्षक राजकुमार, हेड कांस्टेबल देवेंद्र कुमार, विनोद कुमार, आदित्य और कांस्टेबल नितिन कुमार शामिल थे।

आरोपी को छोड़ सो गए पुलिसवाले

आरोपी के फरार होने के बाद जांच में सामने आया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी लापरवाही बरतते हुए रात में सो गए थे। इसी दौरान आरोपी बिना किसी रुकावट के अस्पताल से फरार हो गया। हैरानी की बात यह रही कि पुलिसकर्मियों ने इस मामले को कई घंटों तक छुपाए रखा और आरोपी की तलाश खुद ही करते रहे। काफी प्रयासों के बावजूद जब आरोपी का कोई सुराग नहीं मिला तो अंत में मेडिकल थाना पुलिस को सूचना दी गई।

तलाशी के लिए भेजी गई स्वाट टीम

मेडिकल थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपी के फरार होने का मुकदमा दर्ज कर लिया। इसके साथ ही आरोपी की तलाश के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने स्वाट टीम और एसओजी को भी सक्रिय कर दिया है ताकि जल्द से जल्द फरार आरोपी को पकड़ा जा सके लेकिन अभी तक भी आरोपी को पुलिस पकड़ नहीं पाई है।

पुलिस विभाग में हड़कंप

घटना सामने आने के बाद मेरठ और सहारनपुर के पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिसकर्मियों की इस लापरवाही पर उच्च अधिकारियों ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। साथ ही सहारनपुर एसएसपी ने उप निरीक्षक राजकुमार, हेड कांस्टेबल देवेंद्र, विनोद, आदित्य और कांस्टेबल नितिन को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

आरोपी को 24 मार्च को तबीयत बिगड़ने पर सहारनपुर जेल से मेरठ मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भेजा गया था। तीन महीने से उसका इलाज चल रहा था, लेकिन अस्पताल में तैनात पुलिसकर्मियों की घोर लापरवाही के चलते वह आसानी से फरार हो गया। अब पूरे मामले में मेडिकल थाने की पुलिस, स्वाट टीम और एसओजी मिलकर फरार आरोपी की तलाश में जुट गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूपी में बिजली के निजीकरण पर बढ़ता जा रहा विवाद, जेल भरो आंदोलन की चेतावनी, विरोध में किसानों से लेकर कर्मचारी तक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली वितरण व्यवस्था के निजीकरण की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राज्य विद्युत नियामक आयोग ने तो दक्षिणांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के प्रस्ताव पर अपना परीक्षण शुरू कर दिया है तो लोग भी इसके खिलाफ लामबंद होने लगे हैं। प्रदेश में निजीकरण के विरोध में रविवार को बिजली की महापंचायत बुलाई गई जिसमें तय हुआ कि इसके खिलाफ राज्यभर में जनांदोलन और जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, यूपी के बैनर तले रविवार को बुलाई गई 'बिजली महापंचायत' में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया, जिसमें बिजली कर्मचारी संघों, रेलवे महासंघों, राज्य कर्मचारी संघों, किसान समूहों और उपभोक्ता संगठनों के नेताओं ने निजीकरण को लेकर प्रस्तावित कदम के खिलाफ संयुक्त रूप से विरोध करने का संकल्प लिया गया।

टेंडर जारी होते ही तेज होगा आंदोलन

राजधानी के आशियाना स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया लॉ कॉलेज के प्रेक्षागृह में बुलाई गई 'बिजली महापंचायत' में तय किया गया कि फैसला नहीं बदले जाने और पूर्वांचल तथा दक्षिणांचल विद्युत वितरण कंपनियों (Discoms) के निजीकरण को लेकर टेंडर जारी होते ही उत्तर प्रदेश में प्रदेश स्तर पर जनांदोलन और जेल भरो आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

रेलवे यूनियन के नेता शिव गोपाल मिश्रा ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी कि अगर निजीकरण लागू किया जाता है तो पूरे भारत में रेलवे कर्मचारी बिजली कर्मचारियों के साथ एकजुटता से खड़े होंगे और उनके साथ अदालती गिरफ्तारी में भी शामिल होंगे। किसान नेता दर्शन पाल और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के रमानाथ झा ने भी महापंचायत को वर्चुअली तौर पर संबोधित करते हुए इस आंदोलन को अपना पूरा समर्थन दिया। साथ ही राज्य के कई कर्मचारी संघों, इंजीनियरों के ग्रुप और शिक्षक संघों ने भी आंदोलन के साथ एकजुटता दिखाने का ऐलान किया।

राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन और हड़ताल

महापंचायत ने अगले महीने 2 जुलाई को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया, जिसके बाद 9 जुलाई को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल (symbolic strike) किया जाएगा जिसमें करीब 27 लाख बिजली क्षेत्र के कर्मचारी शामिल होंगे। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा, "अगर प्राइवेटाइजेशन टेंडर जारी किए जाते हैं, तो हम किसानों और उपभोक्ताओं के पूर्ण समर्थन के साथ यूपी में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और जेल भरो आंदोलन शुरू करेंगे।"

पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि मंत्री ने कहा जनहित में बिजली प्राइवेट करनी पड़ेगी। उन्हें मंत्री इसीलिए बनाया गया था। लेकिन हमें उम्मीद है कर्मचारी इसे रोक लेंगे। वह मंत्री इसीलिए बनाए गए ताकि विभाग को बेच सकें।

लेन-देन को लेकर CBI जांच की मांग

महापंचायत में शामिल वक्ताओं ने बिजली से जुड़ी चीजों के निजीकरण को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया, साथ ही जम्मू और कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण भी दिया। ऑपरेशन के दौरान ड्रोन हमलों के बावजूद सरकार द्वारा मैनेज्ड बिजली सर्विस की बदौलत निर्बाध बिजली की सप्लाई जारी रही। निजीकरण के पीछे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए, लोगों की ओर से बिजली क्षेत्र के लेन-देन और अधिकारियों से जुड़ी कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग की गई।

इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने आगरा और अन्य शहरों में प्राइवेटाइजेशन की नाकाम कोशिशों की ओर भी इशारा किया। उनका दावा था कि अकेले टोरेंट पावर ने ही आगरा में 2,200 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। पॉवर कारपोरेशन को हर महीने एक हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। यहां मौजूद वक्ताओं ने यह भी चेतावनी दी कि इस फेल मॉडल को पूर्वांचल और दक्षिणांचल में लागू करने से 42 जिलों के गरीब और मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं पर विपरित असर पड़ेगा।

कई जगहों पर निजीकरण फेल

लखनऊ में आयोजित महापंचायत में प्रस्ताव पारित कर दावा किया गया कि भिवंडी, औरंगाबाद, जलगांव, नागपुर, मुजफ्फरपुर, गया, ग्रेटर नोएडा और आगरा जैसी कई जगहों पर निजीकरण का प्रयोग बुरी तरह से फेल रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अब निजी घरानों की नजर पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के 66 हजार करोड़ रुपये राजस्व बकाये पर लगी हुई है।

महापंचायत ने प्रदेश में निजीकरण के प्रस्ताव को वापस लिए जाने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया, साथ ही यह चेतावनी भी दी कि आंदोलन को दबाने की किसी भी कोशिश से पूरे राज्य में व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाएगा।

नियामक आयोग ने शुरू किया परीक्षण

दूसरी ओर, पिछले हफ्ते दक्षिणांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्राइवेटाइजेशन के प्रस्ताव पर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने अपना परीक्षण शुरू कर दिया है। आयोग के एक अधिकारी का कहना है कि परीक्षण की प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा, जिसके बाद वह अपने सुझाव राज्य सरकार को भेज देगा। प्रदेश में निजीकरण की प्रक्रिया के तहत 42 जिलों में बिजली वितरण की व्यवस्था को पीपीपी मॉडल पर किया जाना है। इस योजना में दक्षिणांचल और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के सभी जिले 42 शामिल किए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि प्रदेश में बिजली दर की बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर सुनवाई से पहले नियामक आयोग अपनी संस्तुति राज्य सरकार को भेज देगी, जिससे प्राइवेटाइजेशन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। आयोग की ओर से संस्तुति किए जाने के बाद पावर कॉरपोरेशन टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा। टेंडर के जरिए जो प्राइवेट कंपनियां वितरण की व्यवस्था को लेना चाहती है, वो अपने आवेदन दाखिल करेंगी। फिर टेंडर खोला जाएगा। इसके बाद उनसे फाइनेंशल बिड मंगवाई जाएगी।

असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयनित हो जिले का गौरव बढ़ाया, खुशी की लहर

सुलतानपुर। जिले के प्रतिष्ठित कॉलेज गनपत सहाय महाविद्यालय के प्रवक्ता एवं लक्ष्मणपुर निवासी डॉ. पवनेश मिश्र का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर लोगो में खुशी की लहर दौड़ गई है। शुभचिंतकों व इष्टमित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुएउज्झवल भविष्य की कामना की है।

डॉ मिश्र ने बताया कि उनका चयन कानपुर के प्रसिद्ध कॉलेज क्राइस्ट चर्च कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ हां। उन्होंने बताया कि भर्ती 2023–24 की अंतिम सूची जारी कर दी गई है, जिसमें उनके पर वाणिज्य विषय में सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor) के रूप में हुआ है। यह चयन कॉलेज की आधिकारिक अधिसूचना संख्या CCC-CKNP/AP/01/2023 के तहत घोषित किया गया। ज्ञात हो कि डॉ. मिश्र लंबे समय से वाणिज्य विषय में स्थानीय गनपत सहाय डिग्री कॉलेज में शैक्षणिक योगदान दे रहे हैं।

सपा सरकार में भ्रष्टाचार, परिवारवाद व वसूली का था राज : भूपेंद्र चौधरी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के सुलतानपुर भाजपा कार्यालय पहुंचने पर पार्टी जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।उन्होंने कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा यूपी की योगी सरकार भ्रष्टाचार और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करती है।उत्तर प्रदेश के योगी मॉडल की चर्चा पूरी दुनिया में होती है।प्रदेश में कानून का राज है। अपराध न्यूनतम स्तर पर है। प्रदेश विकास की नई गाथा लिख रहा है। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। श्री चौधरी ने कहा कि सपा सरकार में ट्रांसफर-पोस्टिंग एक उद्योग बन गया था। सपा से निकाले गए तीन बागी विधायकों के मुद्दे पर कहा यह विधायकों का निर्णय है।विधायक स्वयं तय करेंगे उनको क्या करना है।उन्होंने

सपा में चल रहे अंतर्विरोध व विवादों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने सपा शासन में भ्रष्टाचार,परिवारवाद और वसूली का आरोप लगाया। उन्होंने संगठनात्मक चर्चा करते हुए कहा पार्टी लगातार अपने कार्यक्रमों व अभियानों को लेकर जनता के बीच है। पार्टी कार्यकर्ता मोदी सरकार के 11 साल के रिपोर्ट कार्ड को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया उत्तर प्रदेश में ढाई करोड़ प्राथमिक सदस्य बनाए गए हैं।श्री चौधरी ने बताया कि प्रदेश के 98 जिलों में से 70 जिलों में जिलाध्यक्ष की घोषणा हो चुकी है।1918 मंडल में 1700 मंडल का गठन हो चुका है।लखनऊ से वाराणसी जाते समय प्रदेश अध्यक्ष एक घंटे से ज्यादा पार्टी कार्यालय पर रुके। मीडिया प्रमुख विजय रघुवंशी ने बताया कि कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष से जनप्रतिनिधियों एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक विनोद सिंह,राज प्रसाद उपाध्याय, राजेश गौतम,डॉ एमपी सिंह, संतबख्श सिंह चुन्नू,पूर्व मंत्री ओम प्रकाश पाण्डेय,प्रवीन कुमार अग्रवाल,जगजीत सिंह छंगू,योगेंद्र प्रताप सिंह,विजय रघुवंशी, संजय सोमवंशी, कृपा शंकर मिश्रा, गांधी सिंह, मनीषा पांडेय, बबिता तिवारी, बबिता जायसवाल, रीना जायसवाल समेत पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की।

आईजीआरएस में ज्यादा लम्बित शिकायतों वाले विभागों को चेतावनी

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में सोमवार को सीएम डैशबोर्ड, आईजीआरएस, वृक्षारोपण एवं योजनाओं की प्रगति की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस पोर्टल से सम्बंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को पोर्टल पर दर्ज होने वाली शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करने एवं उन्हें गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से स्वयं निस्तारित कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने जिन विभागों की शिकायतें ज्यादा आ रही है, उनसे सम्बंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने के निर्देश दिए है। समीक्षा में जल निगम ग्रामीण की शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता खराब पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने अधिशासी अभियंता को सख्त हिदायत देते हुए चेतावनी दी है।

यौन शोषण कर बनाता था अश्लील वीडियो... 7 से 12 वर्ष की बच्चियां थीं पुजारी का टारगेट

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। 10 वर्ष से मंदिर का पुजारी बनकर रह रहे आरोपित श्याम बिहारी की और करतूतें पता करने रविवार को सीबीआई टीम ने गांव पहुंच साक्ष्य जुटाए। पता चला आरोपित श्याम बिहारी सात से 12 वर्ष की बच्चियों को ही शिकार बनाता था। वह बच्चियों को मंदिर में साफ-सफाई, प्रसादी वितरण आदि कार्य के लिए बुलाता था। उन्हें लालच देकर कमरे में लेकर जाता था। इसके बाद उनको पोर्न वीडियो दिखाकर यौन शोषण का शिकार बनाता था।

बताया जा रहा है कि कुछ बच्चियों ने घर में शिकायत भी की, लेकिन लोक-लज्जा के डर से घरवालों ने बच्चियों को चुप करा दिया। टीम उन बच्चियों के स्वजन को भी पुजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार कर रही है। इस बीच, आरोपित से बरामद इलेक्ट्रानिक उपकरणों में गांव की चार और

बच्चियों के फोटो नजर आए हैं। बाल कल्याण समिति जल्द ही पीड़ित बच्चियों को बुलाकर बयान दर्ज करने की कार्रवाई करेगी।

आरोपित बच्चियों की तस्वीर इंटरनेट मीडिया की विभिन्न साइट पर अपलोड करता था। गूगल ने इन फोटो को उच्च जांच एजेंसियों को भेजी थी। सीबीआई ने 17 जून को मुकदमा दर्ज करके 19 जून को बाटी गांव में मंदिर के पुजारी श्याम बिहारी के आवास पर छापा मारा था। टीम ने आवास से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए थे। इनमें बच्चों के यौन उत्पीड़न के वीडियो व आपत्तिजनक सामग्री थी। सीबीआई टीम आरोपित पुजारी श्याम बिहारी को हिरासत में लेकर चली गई थी। शुक्रवार को बाल कल्याण समिति ने एक बेटी के बयान भी दर्ज किए थे।

सीबीआई की एक टीम मथुरा में ही

सीबीआई की एक टीम मथुरा में ही डेरा डाले हुए हैं। ग्रामीणों को अभी भी पुजारी की हरकतों पर भरोसा नहीं हो रहा है। वे खुलकर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने बताया कि पीड़ित बच्चियों का रेस्क्यू करके जल्द ही उनके बयान दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। ये बयान प्रभावी कार्रवाई में सहायक साबित होंगे।

एक जुलाई से स्कूलों में ऑनलाइन होगी हाजिरी, यूपी बोर्ड मुख्यालय में आज होगी प्रस्तुति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) से मान्यता प्राप्त स्कूलों में एक जुलाई से आनलाइन हाजिरी की व्यवस्था करने की तैयारी है। विशेष रूप से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अब शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति आनलाइन दर्ज करनी होगी।

अभी तक यह व्यवस्था बाध्यकारी नहीं थी, जिससे कई विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लेने के बावजूद स्कूल न आने की शिकायतें मिलती थीं। अब इस नई व्यवस्था से गैरहाजिर विद्यार्थियों की पहचान आसानी से हो सकेगी। इसके लिए कार्यदायी संस्था का चयन कर लिया गया है। 23 जून को यूपी बोर्ड मुख्यालय प्रयागराज में इसका प्रजेंटेशन होगा, जिसमें आनलाइन हाजिरी दर्ज करने की प्रक्रिया विस्तार से बताई जाएगी।

आनलाइन हाजिरी से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और विद्यार्थियों की नियमितता बढ़ेगी। फर्जी प्रवेश और घोस्ट स्टूडेंट की समस्या रुकेगी। सरकार को वास्तविक नामांकन और उपस्थिति का सटीक आंकड़ा मिलेगा, जिससे योजनाएं बेहतर तरीके से बन सकेंगी। शिक्षकों और कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

साथ ही, निजी स्कूलों में अनियमितताओं पर नियंत्रण आसान हो जाएगा। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह के अनुसार परीक्षण के बाद विस्तृत कार्ययोजना सभी स्कूलों को भेजी जाएगी, ताकि इसे लागू करने में किसी को कठिनाई न हो। इससे उपस्थिति की पारदर्शिता बढ़ेगी और स्कूलों में अनुशासन भी सुनिश्चित हो सकेगा।

उधर, उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आनलाइन हाजिरी अनिवार्य करने से विशेष रूप से निजी विद्यालयों में फर्जी प्रवेश पर रोक लगेगी और पढ़ाई का माहौल भी बेहतर होगा।

धारा 370 समाप्त कर डॉ. मुखर्जी के सपनों को किया साकार : अमर पाल मौर्य

सुलतानपुर। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, अखंड भारत के स्वप्नद्रष्टा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय एकता-अखंडता के लिए समर्पित रहा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 व 35 A को समाप्त कर डॉ मुखर्जी के सपनों को साकार किया है।यह बातें मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहीं।श्री मौर्य ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा उनका ओजस्वी व्यक्तित्व देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।यह भी कहा कि डा. मुखर्जी ने राष्ट्र सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। संचालन जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी ने किया।

'एड्स के साथ कैंसर भी...' इस बीमारी से पीड़ित कैदी मेडिकल कॉलेज में था भर्ती, पुलिसकर्मियों को चकमा देकर कैसे भागा?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ का मेडिकल कॉलेज अलग-अलग वजहों से चर्चाओं में रहता है. ताजा मामले में ये कॉलेज एक हत्या के आरोपी की वजह से सुर्खियों में है। दरअसल, सहारनपुर पुलिस एक आरोपी को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर आई थी। इस आरोपी पर लूट व हत्या का आरोप था। ये आरोपी इलाज के दौरान फरार हो गया और पुलिस सोती रही। मेडिकल कॉलेज के सुरक्षा गार्ड को भी पता नहीं चला।

आरोपी सहारनपुर का रहने वाला है। वो सहारनपुर जेल में पिछले लंबे समय से बंद था। उसे 3 महीने पहले गंभीर बीमारी कैंसर और एड्स के इलाज के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। उसी समय से मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा था। मेरठ मेडिकल कॉलेज लाते

जनता दर्शन में आए लोगों से मिले सीएम, कहा- नागरिक सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान यहां प्रदेश भर से लगभग 65 से अधिक पीड़ित पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर पीड़ति के पास स्वयं पहुंचे, समस्या सुनी, प्रार्थना पत्र लिया और उन्हें अहसास कराया कि हर समस्या में सरकार साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सरकार की पहली प्राथमिकता है। सरकार विगत 8 वर्ष से इसी उद्देश्य से कार्य कर रही है।

अधिकारियों को निर्देश- हर पीड़ित की समस्या पर करें तत्काल कार्रवाई

जनता दर्शन में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, शिक्षा, आवास, आंगनबाड़ी, कब्जा आदि से जुड़े अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता की समस्या सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ति की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ति की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सबको न्याय मिलेगा और सबकी पीड़ा दूर की जाएगी।

'स्कूल जाना चाहती हूं... मेरा एडमिशन करा दीजिए', जनता दर्शन में बोली बच्ची, बात सुन मुस्कुरा उठे सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान मुरादाबाद से वाची नाम की नन्हीं बच्ची अपनी बात लेकर मुख्यमंत्री के पास पहुंची। फरियाद सुनते हुए जब मुख्यमंत्री इस बच्ची के पास पहुंचे तो सबसे पहले उसका हाल पूछा। फिर उसका भी प्रार्थना पत्र लिया और पढ़ा।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाची से पूछा तू, स्कूल नहीं जाना चाहती है। इस पर बच्ची ने कहा कि 'नहीं, मैं स्कूल जाना चाहती हूं। मैं यह कह रही हूं कि आप स्कूल में मेरा एडमिशन करा दो'। इस पर मुख्यमंत्री ने पूछा, किस क्लास में... 10वीं या 11वीं में? बच्ची ने तपाक से उत्तर दिया- अरे, मुझे नाम नहीं पता। इस पर मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद को प्रार्थना पत्र सौंपा। कहा कि इस बच्ची का एडमिशन हर हर हाल में कराओ।

सीएम ने मुझे बिस्कुट और चॉकलेट भी दी

मुरादाबाद से आई वाची ने बताया कि मैं सीएम योगी से मिलकर आई हूं। मैंने उनसे कहा कि मेरा स्कूल में एडमिशन करवा दें। इस पर उन्होंने कहा कि मैं करवा दूंगा। इसके बाद कहा कि सीएम ने मुझे बिस्कुट और चॉकलेट भी दी।

2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने बदली रणनीति, 1600 टीमें मैदान पर सक्रिय; आकाश को लेकर बना ये प्लान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डेढ़ साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी गांव-गांव जाकर अपना जनाधार बढ़ा रही है। पार्टी की करीब 1600 टीमें गांवों में पोलिंग बूथ और सेक्टर कमेटियां बनाकर लोगों को जोड़ रही हैं। पार्टी का कहना है कि पदाधिकारी भी नामित किए जा रहे हैं, जो लोगों को बसपा की नीतियों और विपक्ष की साजिशों से अवगत करा रहे हैं।

बता दें कि पार्टी अध्यक्ष मायावती के निर्देश पर भाईचारा कमेटी और ओबीसी कमेटी लगातार काम कर रही हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि जिस तरह वर्ष 2007 में भाईचारा कमेटियों के जरिये समाज के सभी वर्गों के लोगों का गठबंधन स्थापित करते हुए सरकार बनाई गई थी, उसी फॉर्मूले पर अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी है। इसके तहत गांव-गांव जाकर कमेटियों का गठन करना पहली प्राथमिकता है। जिसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र में चार टीमें बनाई जा चुकी हैं। पार्टी का मानना है कि बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। चार बार रही बसपा सरकार में गुमनाम चेहरों को भी इसी तरह पार्टी ने सियासी पहचान दी थी। इसी वजह से पूरा फोकस विधानसभा स्तर पर बूथ कमेटियों, भाईचारा कमेटी और ओबीसी समाज को जोड़ने पर है। फिलहाल पार्टी तराई और अवध के इलाकों में फोकस कर तेजी से संगठन का विस्तार कर रही है।

बिहार चुनाव बाद सक्रिय होंगे आकाश

वहीं दूसरी ओर पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद बिहार चुनाव के बाद यूपी में भी सक्रिय हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है फिलहाल बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर आकाश आनंद बिहार चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। जिसके बाद उन्हें यूपी में भी सक्रिय किया जा सकता है। फिलहाल यूपी और उत्तराखंड के संगठन की समीक्षा और उससे जुड़े फैसले बसपा सुप्रीमो खुद ले रही हैं।

बसपा कार्यकर्ताओं के दम पर बनी पार्टी है

बसपा नेताओं की नहीं, कार्यकर्ताओं की पार्टी है। समाज के सभी वर्गों के आपसी भाईचारे की बदौलत हमने सरकार भी बनाई है। बसपा सुप्रीमो के निर्देश पर गांव-गांव जाकर कार्यकर्ताओं के जरिये संगठन को मजबूत किया जा रहा है। बसपा ऐसी नर्सरी है, जो नेता बनाती है। पहले बड़ा मुकाम हासिल करने वाले नेता अपने बेटे-बेटियों के चक्कर में दूसरे दलों में चले गए थे।

-विश्वनाथ पाल, बसपा प्रदेश अध्यक्ष

गौतमपल्ली थाना क्षेत्र में महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास, आत्मदाह निरोधी दस्ते ने समय रहते बचाया

लखनऊ। राजधानी के गौतमपल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत टैंगो गेट नंबर-3 पर सोमवार सुबह एक महिला द्वारा आत्मदाह करने का प्रयास किया गया। मौके पर तैनात आत्मदाह निरोधी दस्ते ने समय रहते तत्परता दिखाते हुए महिला को बचा लिया।घटना सुबह करीब 11 बजे की है, जब सुमित्रा कौर पुत्री जसवंत सिंह, निवासी बाजार घाट वैल्हा, थाना हजारा, जनपद पीलीभीत, उम्र लगभग 27 वर्ष, अपने बड़े भाई मनदीप सिंह (उम्र 31 वर्ष) और 17 वर्षीय भांजी के साथ टैंगो गेट पर पहुंची। यहां उसने अचानक अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया।घटनास्थल पर मौजूद आत्मदाह निरोधी दस्ते की सतर्कता के चलते महिला को तुरंत बचा लिया गया और उसे थाने ले जाकर पूछताछ की गई।

सीएम योगी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक, अस्पताल का निरीक्षण कर जाना हाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को भदोही पहुंचे। एक बजकर 44 मिनट पर उनका हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन में बनाए गए हेलीपैड पर लैंड हुआ। जहां मंडलायुक्त बालकृष्ण त्रिपाठी, डीआईजी आरपी सिंह के साथ डीएम शैलेश कुमार और एसपी अभिमन्यु मांगलिक समेत जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया।

हेलीपैड से उतरने के बाद सीएम सीधे पुलिस लाइन सभागार में पहुंचे। जहां पर मौजूद भारतीय जनता पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक शुरू हुई। यहां आधे घंटे बैठक करने के बाद कार से ही सीएम मुख्यालय के लिए रवाना हुए। जहां 11 शय्या के क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण करने के उपरांत सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए पूरे जिले भर में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रहे। पुलिस ने ज्ञानपुर में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों को बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया है। वहीं जगह-जगह पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई।

सीएम योगी ने लगाया रूद्राक्ष का पौधा, अस्पताल का निरीक्षण किए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस लाइन में भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। पदाधिकारियों के साथ बैठक में सीएम ने जिले की नब्ज टटोली। सांसद डॉ. विनोद बिंद ने सीएम को जिले की समस्याओं के बारे में बताया। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा ने संगठन के कार्यों की जानकारी दी। बैठक के बाद सीएम योगी सीधे मुख्यालय पहुंचे। मुख्यालय पर उन्होंने रूद्राक्ष का पौधा लगाया। वहीं क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान निर्माण संबंधी जानकारी ली। उनके साथ जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह भी मौजूद रहे।

डूबे युवक का शव सोमवार को नई जेल के पास इंदिरा नहर में उतराता हुआ मिला

लखनऊ। इंदिरा डैम के पास शनिवार को नहाते समय डूबे युवक का शव सोमवार को जेल के पास इंदिरा नहर में उतराता हुआ मिला ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि नाका थाना क्षेत्र के चरसमंडी हाथीखाना के रहने वाले मनोज शर्मा का बेटा शिवम शर्मा (27) शनिवार को अपने दोस्तों के साथ इंदिरा डैम में नहाने के लिए आया था जहां नहाते समय वह नहर में डूब गया था।जिसका शव सोमवार को नई जेल के पास इंदिरा नहर में उतराता हुआ दिखाई दिया।जिसकी सूचना ग्रामीणों ने उपनिरीक्षक अरविंद कुमार यादव को दी थी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया।औऱ परिजनों को सूचना देकर बुलाया जिन्होंने मौके पर पहुंच कर उसकी शिनाख्त की।

ईरान-इजरायल संघर्ष पर प्रमोद तिवारी का प्रधानमंत्री पर हमला, कहा— "एकतरफा वार्ता से नहीं चलेगा"

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने सिर्फ ईरान के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बातचीत कर एकतरफा तनाव कम करने की कोशिश की, जबकि इजरायल और अमेरिका की आक्रामक कार्रवाई पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया।प्रमोद तिवारी ने कहा कि ईरान की सीमा का उल्लंघन हुआ है, उस पर बमबारी की गई है और अमेरिका ने हजारों किलोमीटर दूर से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते हुए सैन्य हमले किए हैं। ऐसे में केवल ईरान से संवाद कर तनाव कम करने की कोशिश करना भारत की निष्पक्ष विदेश नीति के विपरीत है।उन्होंने

अमेरिका पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर की खुली अवहेलना की है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रधानमंत्री गाजापट्टी में हो रही बमबारी और भुखमरी से जूझते लोगों की हालत पर अमेरिका और इजरायल से भी वार्ता करेंगे? क्या भारत केवल एक पक्ष से ही संवाद कर अपनी भूमिका निभाएगा?राज्यसभा सांसद ने ईरान के उस दावे को भी बेहद गंभीर बताया, जिसमें कहा गया है कि अमेरिका ने ईरान पर हमले के लिए पाकिस्तानी एयरस्पेस का इस्तेमाल किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या इस पर भारत सरकार पाकिस्तान से कोई स्पष्टीकरण मांगेगी या चुप्पी साधे रहेगी?प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री से तत्काल ईरान-इजरायल संघर्ष पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की और कहा कि भारत, जो गुटनिरपेक्ष आंदोलन का अग्रणी देश रहा है, उसे सभी पक्षों से शांति और संयम की अपील करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेश नीति को संतुलित रखने के लिए सिर्फ ट्वीट करने या एकतरफा बयान देने से काम नहीं चलेगा।उन्होंने भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर भी अमेरिका के रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हालिया सैन्य तनाव के दौरान अमेरिका ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को भोज पर आमंत्रित कर भारत की आतंकी चिंताओं की अनदेखी की। यह भारत के सम्मान और सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत आपत्तिजनक है।प्रमोद तिवारी ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि एक माह बीतने के बावजूद गृहमंत्री यह नहीं बता सके कि सीमा पार से आतंकी आखिर कैसे घुसे? उन्होंने पूछा कि अब तक हमले के गुनहगारों को सज़ा क्यों नहीं मिली?राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की चुप्पी और गैर-जवाबदेही ने भारत की विदेश नीति को भटकाव की स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर प्रधानमंत्री का स्पष्ट और साहसिक रुख जरूरी है, ताकि भारत की भूमिका वैश्विक मंच पर प्रभावशाली बनी रह सके।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव बने राष्ट्रीय सनातन संघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी

लखनऊ। सोमवार को राजधानी लखनऊ में स्थित राष्ट्रीय सनातन संघ कार्यालय में वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पद की जिम्मेदारी सौपी गई । राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश खरे नें इस जानकारी को साझा करते हुए कहा कि राजेश श्रीवास्तव की धार्मिक आस्था,लगन और समाज के प्रति उनकी रूचि को देखते हुए सर्वसम्मति से उनको इस पद का दायित्व सौपा गया हैं. राजेश जी इस समय सरिता प्रवाह हिंदी दैनिक के संपादक हैं। इससे पूर्व वें राष्ट्रीय सहारा, हिंदुस्तान, कुबेर टाइम्स, पंजाब केसरी, नई दुनिया और सिटी टाइम्स जैसे अख़बार में अपनी सेवा दें चुके हैं।

युद्ध के साये में ईरान से स्वदेश लौटे 19 जायरीन, एयरपोर्ट पर घरवालों को देख नम हुई आंखें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ईरान-इस्राइल युद्ध के कारण मशहद में फंसे लखनऊ और हरदोई के 19 जायरीन सोमवार सुबह सुरक्षित लौट आए हैं। चार दिन तक अनिश्चितता में फंसे इन जायरीनों की वापसी से परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। लब्बैक टूर एंड ट्रैवल्स की ओर से यह समूह 27 मई को जियारत के लिए रवाना हुआ था। इराक और ईरान की यात्रा पूरी कर 18 जून को इनकी वापसी तय थी, लेकिन युद्ध के चलते ये लोग कुम शहर में फंस गए। बाद में भारतीय दूतावास की पहल पर इन्हें मशहद लाया गया, जहां से रविवार शाम 6 बजे फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया। सोमवार सुबह तक ये सभी जायरीन लखनऊ पहुंच गए।

इस समूह में शामिल लोग:

इनमें लखनऊ के 17 और हरदोई के दो जायरीन शामिल हैं। ग्रुप में अली कमाल, अनाबिया, बाकर, इरफान, कनीज, लाइका, मोहम्मद हुसैन, निघत, रोशन, शाहीन, सबा, सादात, नफीस, सीमा, सकीला, तहरीर फातिमा, रईस, सानिया और जफर शामिल हैं। एजेंट औरया जफर के अनुसार, रवाना होने से पहले सभी ने अपने परिजनों से बातचीत भी की। परिवारजनों ने लखनऊ एयरपोर्ट पर राहत के साथ उनका स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी ने पूर्व जिलाध्यक्ष मधु शर्मा को भेजा कारण बताओ नोटिस, अनुशासनहीनता का आरोप

» सीमा के भीतर संतोषजनक उत्तर नहीं मिला, तो पार्टी उनके खिलाफ कठोरतम अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश ने मथुरा की पूर्व जिलाध्यक्ष मधु शर्मा को पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी ने यह कदम उनके द्वारा मीडिया में दिए गए बयानों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर की गई टिप्पणियों को लेकर उठाया है, जिसे संगठन ने अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना है।भाजपा प्रदेश मुख्यालय से 22 जून 2025 को जारी पत्र में प्रदेश महामंत्री व मुख्यालय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ला (विधायक) ने मधु शर्मा से सात दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण पार्टी कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा है। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक उत्तर नहीं मिला, तो पार्टी उनके खिलाफ कठोरतम अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगी। पत्र में कहा गया है कि मधु शर्मा के वक्तव्यों से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है और यह व्यवहार संगठनात्मक मर्यादाओं के विपरीत है। यह शिकायत जिला संगठन के माध्यम से प्राप्त हुई थी और मीडिया रिपोर्टों में भी इसका उल्लेख किया गया।इस नोटिस की प्रतिलिपि प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री (संगठन), क्षेत्रीय प्रभारी एवं भाजपा ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष को भी भेजी गई है।भाजपा संगठन ने साफ संकेत दे दिया है कि अनुशासन के मामले में पार्टी किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है, चाहे वह पूर्व पदाधिकारी ही क्यों न हो।

श्रीलंका टूरिज्म का भारत में प्रचार अभियान तेज, लखनऊ से शुरू हुआ बी2बी रोडशो

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में श्रीलंका टूरिज्म ने अपनी प्रचार रणनीति को नया रुख देते हुए लखनऊ से शुरुआत की है। श्रीलंका टूरिज्म प्रमोशन ब्यूरो (SLTPB) और श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो (SLCB) की ओर से 23 जून को लखनऊ में एक भव्य बी2बी रोडशो और नेटवर्किंग इवेंट का आयोजन किया गया। यह आयोजन 25 जून को चंडीगढ़ और 27 जून को जयपुर में भी होगा। इसका उद्देश्य उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों—उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान से अधिक संख्या में पर्यटकों को श्रीलंका की ओर आकर्षित करना है।इस विशेष श्रृंखला में श्रीलंका से आए 35 से अधिक प्रतिनिधियों का एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल हिस्सा ले रहा है, जिसमें डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियाँ, होटल-रिसॉर्ट समूह, टूर ऑपरेटर्स और सेवा प्रदाता शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका के विदेश मामलों, प्रवासी श्रमिकों और पर्यटन मंत्री विजीथा हेराथ तथा उप पर्यटन मंत्री प्रो. रुवान रणसिंघे कर रहे हैं। SLTPB और SLCB के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अभियान का हिस्सा हैं।लखनऊ में हुए कार्यक्रम में 200 से अधिक भारतीय ट्रैवल एजेंट्स, टूरिज्म इंडस्ट्री के प्रमुख प्रतिनिधि और मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजन स्थल पर B2B बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें भारत और श्रीलंका के पर्यटन पेशेवरों के बीच व्यापारिक साझेदारी के नए अवसरों पर चर्चा हुई।कार्यक्रम की विशेषता श्रीलंका की पारंपरिक नृत्य मंडली रही, जिसने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से वहां की समृद्ध विरासत का जीवंत प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त, श्रीलंका के पर्यटन स्थलों, उनके आकर्षणों, पर्यटकों के लिए उपलब्ध साहसिक व विलासितापूर्ण अनुभवों और देश की विश्व स्तरीय मेहमाननवाजी को दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और संवादों के माध्यम से दर्शाया गया।श्रीलंका टूरिज्म का यह प्रयास भारत-श्रीलंका पर्यटन संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्ष 2025 के पहले पांच महीनों में श्रीलंका ने कुल 10.29 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत किया, जिनमें 2.04 लाख पर्यटक अकेले भारत से थे। यानी भारत की हिस्सेदारी कुल पर्यटकों का 20% रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत, श्रीलंका के लिए शीर्ष स्रोत बाजार बना हुआ है।श्रीलंका टूरिज्म की यह पहल भारत के प्रमुख मीडिया हाउसों तक पहुँचने का भी एक माध्यम है। प्रत्येक शहर में मीडिया गेदरिंग आयोजित की जा रही है, जिससे श्रीलंका को एक सुरक्षित, समृद्ध और विविधतापूर्ण ट्रैवल डेस्टिनेशन के रूप में पेश किया जा सके।

मोबाइल चोरी करने वाले को पुलिस ने भेजा जेल

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने घर के अंदर से मोबाइल चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार बक्कास के रहने वाले विरेन्द्र कुमार ने ऑनलाइन शिकायत की थी कि 22 जून को एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर के अन्दर घुसकर तीन मोबाइल फोन चोरी कर ले गया है।पीड़ति ने घर के पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखकर अभियुक्त की पहचान कर सलमान पुत्र ननके निवासी कटरा बक्कास के रूप में की थी।इसके बाद पीड़ति 23 जून को अपने भाई सुरेंद्र के साथ आरोपित सलमान को चोरी के मोबाइल के साथ लेकर थाने पहुंचा और पूरी बात बताई। जिसपर पुलिस ने पीड़ति से प्रार्थना पत्र लेकर आरोपित सलमान पुत्र ननके मूल निवासी ग्राम कठैला थाना मिश्रौलिया जनपद सिद्धार्थनगर हाल पता ग्राम कटरा बक्कास थाना सुशान्त गोल्फ सिटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

घायल पड़े व्यक्ति को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया होश में आने के बाद पुलिस से ही की लड़ाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज क्षेत्र के गंगागंज में घायल पड़े युवक को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया जहां होश में आने पर वह पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गया और उनसे गाली गलौज व मारपीट करने लगा। मूलरूप से गदनपुर ठठिया जिला कन्नौज हाल पता थाना गोसाईगंज में तैनात उपनिरीक्षक निमेष दुबे के अनुसार वह 22 जून को कांस्टेबल दिनेश कुमार के साथ रात्रि गस्त के लिए गंगागंज में थे।तभी रात्रि लगभग 10.30 बजे एक युवक गंगागंज चौकी के सामने रोड पर पड़ा था तथा उसकी बाइक साइड में पड़ी हुई थी।युवक के चेहरे सहित अन्य जगहों पर चोट के निशान थे और वह बेहोश था। उपनिरीक्षक ने उसे हेड कांस्टेबल रमाशंकर तथा कांस्टेबल दिनेश पटेल की मदद से एम्बुलेंस द्वारा इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज भिजवाया।उपनिरीक्षक निमेष दुबे का कहना है कि घायल युवक अस्पताल में इलाज के बाद होश में आने पर बिना किसी वजह के पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा।इसी बीच सूचना पाकर उसका भाई व मित्र भी अस्पताल आ गए थे जिन्होंने घायल युवक की पहचान दीपक रस्तोगी पुत्र जयकुमार रस्तोगी निवासी 1/198 साहन टोला गोसाईगंज के रूप में की।उन लोगों ने भी घायल को काफी समझाया लेकिन वह और उग्र हो गया तथा एम्बुलेंस 108 व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों से भी अभद्रता करने लगा।वहीं उपनिरीक्षक ने जब उसे समझाने का प्रयास किया तो उसने उपनिरीक्षक की नेम प्लेट नोंच दी तथा दाहिने कंधे के फ्लैप को फाड़ दिया तथा हेड कॉन्स्टेबल रमाशंकर के साथ मारपीट करने करने लगा।उपनिरीक्षक ने पूरे मामले की लिखित शिकायत थाने पर की है।

ईरान पर हमला करके ट्रंप पूरी दुनिया को धमका रहे हैं

अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला करके परमाणु रिसाव और परमाणु युद्ध के खतरों को बढ़ावा दे दिया। ईरान ने अमेरिका के हमले के बाद अपने पलटवार और तेज कर दिए हैं। इजराइल पर मिसाइल हमले तो तेज किए ही अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर भी हमला करने की घोषणा की है। ईरान पिछले दस दिन में अपनी ताकत से ज्यादा लड़ा। यह दुनिया ऐसे ही चलती है। ताकतवर की दुनिया। 12 हजार किलोमीटर दूर ईरान पर हमला करके अमेरिका कहता है अब शांति होगी। अगर दुनिया खामोश रही तो वह गजा के बाद ईरान में भी मौत की शांति पैदा कर देगा। ईरान पर पहले इजराइल ने हमला किया। और जवाब देने को जुर्रत (दुस्साहस) मानते हुए फिर अमेरिका ने। इस धमकी के साथ कि तबाह कर देगा अगर समर्पण नहीं किया तो। संयुक्त राष्ट्र ने बड़े कड़े शब्दों में विरोध किया। अमेरिकी हमले की निंदा की। मगर वह तो गजा पर इजरायली हमले की भी की थी। हमले रोकना तो दूर वहां इजराइल ने भयंकर नरसंहार किया। 50 हजार से ज्यादा तो केवल बच्चों और महिलाओं को मारा है। कुल मरने वालों की तादाद 60 हजार से ऊपर है। संयुक्त राष्ट्र के कहने से कुछ नहीं हो रहा। जिस विश्व शांति के लिए इसका गठन हुआ था सैकंड वर्ल्ड वार के बाद वह अर्थहीन हो गया। अमेरिका और इजराइल ने दुनिया को फिर एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया। भारत पहले ऐसे में उपयोगी भूमिका निभाता था। मगर बेवजह खुद को विश्व गुरू, विश्व गुरू कहकर हमारे प्रधानमंत्री ने अपनी व्यक्तिगत छवि कितनी उभारी पता नहीं मगर देश की छवि वह 2014 से पहले सम्मान वाली नहीं रहने दी।

अब सबकी नजर चीन और रूस पर है। यह दोनों महाशक्तियां चाहें तो अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हो रहे हमलों को रुकवा सकते हैं। मगर आप अगर पिछले दो सालों को देखें तो इन दोनों ने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है। मूल मुद्दा गजा में नरसंहार रोकने का था। वहां के बच्चों और नागरिकों के दवा, दूध, खाने पर इजराइल द्वारा लगाई गई बंदियों को हटाने का था। मगर यह मानवीय मदद भी कोई नहीं कर पाया। असली सवाल फिलिस्तीन के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व का तो बहुत पीछे चला गया। दो साल में इजराइल ने ऐसा जुल्म ढाया कि आज सबसे पहले सब यही मांग कर रहे हैं कि बच्चों को दूध दवाएं मिल सकें। अस्पतालों और नागरिकों पर हमले बंद हों। मगर यह करने के बदले इजराइल ने सीधे ईरान पर हमला करके इशु डाइवर्ट कर दिया। आज फिलिस्तीन, गजा का नरसंहार पृष्ठभूमि में चला गया। सबसे बड़ा सवाल यह आ गया कि अमेरिका के युद्ध में कूद जाने के बाद दुनिया किसी बड़े खतरे की तरफ न बढ़ जाए। अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला करके परमाणु रिसाव और परमाणु युद्ध के खतरों को बढ़ावा दे दिया। ईरान ने अमेरिका के हमले के बाद अपने पलटवार और तेज कर दिए हैं। इजराइल पर मिसाइल हमले तो तेज किए ही अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर भी हमला करने की घोषणा की है।

ईरान पिछले दस दिन में अपनी ताकत से ज्यादा लड़ा। इसके पीछे इतना समर्थन इसीलिए है। इजराइल को पहली बार अपने घर में हमलों का स्वाद चखना पड़ा। वह कह रहा कि उसके नागरिकों पर हमले हुए, अस्पताल पर हुए। लेकिन वह यह भूल गया कि उसने गजा में कितने अस्पतालों पर बम गिराए। मासूम बच्चों तक की हत्या की। लेकिन उस समय उसे युद्ध के नियम याद नहीं आए। आज कह रहा है कि अन्तरराष्ट्रीय समुदाय को देखना चाहिए कि हमारे नागरिक क्षेत्रों पर कैसे हमले हो रहे हैं। युद्ध में सेना सेना से लड़ती है। नगरिकों से नहीं। हमारी सेना ने जब पाकिस्तान की आतंकवादी हरकतों का जवाब दिया तो उसने केवल वहां के आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया। सैन्य ठिकानों को भी नहीं, नागरिक क्षेत्रों का तो सवाल ही नहीं उठता। मगर पाकिस्तान ने जवाब में पुंछ में हमारे नागरिक क्षेत्रों के साथ धार्मिक स्थानों पर भी हमला किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वहां जाकर गुरुद्वारों, मंदिर, मदरसों में पाकिस्तान द्वारा की गई गोलाबारी को खुद आंखों से जाकर देखा। गोलाबारी से मारे गए लोगों के परिवारों से मिले उन्हें सांत्वना दी। प्रधानमंत्री मोदी को भी जाना चाहिए था। वे नहीं गए। तो हमला नागरिकों पर नहीं होता है। मगर इजराइल ने पहले गजा में फिर ईरान में किया। इजरायल, पाकिस्तान दोनों का अपराध एक जैसा है। मौसेरे भाई। और अमेरिका इन दोनों का सरपरस्त। इन दोनों के पास परमाणु हथियार हैं। और दोनों ही भरोसेमंद नहीं। मगर इनसे कभी कुछ नहीं कहता। लेकिन ईरान से कहता है कि तुम परमाणु हथियार बना रहे हो इसलिए तुम पर हमला किया। दोहरे मापदंड। हर लड़ाई उसने ऐसे ही लड़ी है। कोरिया में, वियतनाम में, इराक में अफगानिस्तान में। लंबी लिस्ट है और ज्यादातर में उसने मुंह की खाई है। इस बार ईरान में भी उसके लिए स्थिति साजगार नहीं हैं। अमेरिका ने सोचा था इजराइल के हमले से ही डर कर ईरान हथियार डाल देगा। मगर उसने इजराइल को कड़ा जवाब दिया। और अमेरिका के हमले के बाद इजराइल पर और मिसाइलें मार रहा है।

गांधीजी की दृष्टि और पश्चिम एशिया का संकट?

फिलिस्तीन का मुद्दा धर्म, भूमि और पहचान से जुड़ा सौ साल पुराना मुद्दा है। इज़राइल-ईरान तनाव के साथ यह वैश्विक चिंता का विषय बन गया है, जिसके अमेरिका, रूस और चीन जैसी शक्तियों की भागीदारी से महायुद्ध में बदलने की आशंका है

– अरुण कूमार डनायक

गांधीजी की सोच के आलोक में इज़राइल-फिलिस्तीन और इज़राइल-ईरान संघर्ष का दीर्घकालिक समाधान इन सिद्धांतों में निहित है—साझा सह-अस्तित्व की भावना, जहां यहूदी, अरब और फारसी समुदाय साझा इतिहास व संस्कृति को अपनाएं; युद्धोन्माद के बजाय अहिंसक संवाद और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को प्राथमिकता दी जाए; तथा धर्म और राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय सहिष्णुता और करुणा को पुर्नस्थापित किया जाए।

फिलिस्तीन का मुद्दा धर्म, भूमि और पहचान से जुड़ा सौ साल पुराना मुद्दा है। इज़राइल-ईरान तनाव के साथ यह वैश्विक चिंता का विषय बन गया है, जिसके अमेरिका, रूस और चीन जैसी शक्तियों की भागीदारी से महायुद्ध में बदलने की आशंका है। यह संकट वैश्विक व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को चुनौती देता है। इसका समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और गांधीवादी अहिंसा में निहित है। दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए गांधीजी के हर्मन कैलनबैक, हेनरी पोलक और जोसेफ रॉयड्स जैसे अनेक यहूदियों से मैत्रीपूर्ण संबंध बने थे। गांधीजी ने 'हरिजन' में 26 नवंबर 1938 को यहूदियों की समस्या पर लिखते हुए स्पष्ट किया था कि वे यहूदियों के साथ हो रहे अन्याय को गहराई से समझते हैं। उन्होंने कहा था, 'यहूदियों को अपने अधिकार के लिए हिटलर के खिलाफ संघर्ष अवश्य करना चाहिए, लेकिन अहिंसा के रास्ते पर चलकर।' गांधीजी चाहते थे कि यहूदियों के साथ उसी भूमि पर न्यायसंगत व्यवहार हो, जहां वे जन्मे, पले और विकसित हुए हैं। गांधीजी मानते थे कि यहूदियों का फिलिस्तीन पर दावा नैतिक रूप से उचित नहीं, क्योंकि वह भूमि अरबों की है। यहूदियों की वापसी ऐतिहासिक गलतियों के आधार पर न्यायसंगत नहीं कही जा सकती। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बाइबल या धर्मशास्त्रों के आधार पर किसी भूमि पर दावा करना आधुनिक राजनीति में उचित नहीं है। यह वक्तव्य गांधीजी की उस मूल सोच को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें वे धर्म या इतिहास के आधार पर भूमि के स्वामित्व को अस्वीकार करते हैं। उन्होंने अरबों के अधिकार को प्राथमिकता दी और यहूदियों से आग्रह किया कि वे अरबों के साथ अहिंसा और सहयोग के आधार पर सह-अस्तित्व का मार्ग अपनाएं। गांधीजी ने इज़राइल के गठन से पहले फिलिस्तीन में चल रहे यहूदी आतंकवाद की निंदा की थी, इसे नैतिक पतन बताया। उन्होंने कहा था कि हिंसा से प्रतिशोध न्याय नहीं होता और आतंकवाद किसी धर्म या उद्देश्य को पवित्र नहीं करता। वे मानते थे कि यहूदियों को केवल उसी पर संतोष करना चाहिए जिसे वे अपने ईश्वर यहोवा से विरासत में प्राप्त मानते हैं। उन्हें अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए न तो ब्रिटिश सत्ता पर निर्भर रहना चाहिए, न ही अमेरिकी समर्थन की आस रखनी चाहिए।

गांधीजी के अनुसार, न्याय का मार्ग आत्मनिर्भरता, नैतिक बल और आपसी सौहार्द के आधार पर ही टिकाऊ हो सकता है। गांधीजी ने अरबों को यह संदेश दिया था कि वे धैर्य, संयम और अहिंसा का मार्ग न छोड़ें। उन्होंने अरबों से आग्रह किया था कि यहूदियों से उनका विरोध अस्मिता के आधार पर हो, घृणा के आधार पर नहीं। यह एक संतुलित दृष्टिकोण था, जिसमें संघर्ष का समाधान नैतिक आधार पर खोजा गया।

गांधीजी ने ईरान को भारत का आत्मीय व सांस्कृतिक मित्र माना था और दोनों देशों के संबंधों को सांस्कृतिक व आध्यात्मिक आधार पर परिभाषित किया था। 'जेंद-अवेस्ता' (पारसी धर्म का प्रमुख ग्रंथ है जिसमें पारसी धर्म के संस्थापक पैगंबर जरथुस्त्र की शिक्षाओं और सिद्धांतों का संग्रह है) जैसे ग्रंथों में निहित समन्वय को वे सम्मान का प्रतीक मानते थे। जनवरी 1948 की एक प्रार्थना सभा में व्यक्त ये विचार प्रेम और भाईचारे को सच्चे धार्मिक मूल्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं। गांधीजी का दृष्टिकोण भारत-ईरान संबंधों को शांति और सहयोग के आधार पर मजबूत करने की प्रेरणा देता है। वे पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंधों को महत्वपूर्ण मानते थे और इसे एशियाई एकता के प्रतीक के रूप में देखते थे।

वर्ष 2024 में इज़राइल के लेबनान और गाजा में हवाई हमले और ईरान के प्रॉक्सी संगठनों (जैसे हिजबुल्लाह) के जवाबी हमलों ने तनाव बढ़ाया है। साइबर युद्ध और सामरिक धमकियां क्षेत्र को अस्थिर कर रही हैं। इज़राइल का यहूदी राष्ट्रवाद, सुरक्षा के नाम पर सैन्य कार्रवाइयां और ईरान की धार्मिक कट्टरता व प्रॉक्सी युद्ध गांधीजी की संवाद, सह-अस्तित्व और सत्याग्रह की नैतिक दृष्टि के विपरीत हैं। इस संघर्ष में मानवीयता को सबसे अधिक क्षति पहुंच रही है। गांधीजी की सोच के आलोक में इज़राइल-फिलिस्तीन और इज़राइल-ईरान संघर्ष का दीर्घकालिक समाधान इन सिद्धांतों में निहित है—साझा सह-अस्तित्व की भावना, जहां यहूदी, अरब और फारसी समुदाय साझा इतिहास व संस्कृति को अपनाएं; युद्धोन्माद के बजाय अहिंसक संवाद और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को प्राथमिकता दी जाए; तथा धर्म और राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर मानवीय सहिष्णुता और करुणा को पुर्नस्थापित किया जाए।

भारत, जो बुद्ध और गांधी की धरती है और आज एक उदीयमान वैश्विक शक्ति है, उसकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह इज़राइल-फिलिस्तीन और इज़राइल-ईरान जैसे संघर्षों में शांतिपूर्ण समाधान का मार्ग प्रशस्त करे। इन जटिल मुद्दों को केवल सामरिक या धार्मिक चश्मे से देखना एक सीमित दृष्टिकोण है। भारत को चाहिए कि वह मध्यपूर्व के देशों के बीच संवाद, न्याय और अहिंसा का सेतु बने।

विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या और लोकतंत्र के रूप में ख्यात भारत की जिम्मेदारी बनती है कि वह 'संयुक्त राष्ट्र संघ,' 'ब्रिक्स,' 'जी-7' व 'जी-20,' 'शंघाई सहयोग संगठन' जैसे मंचों पर हथियारों की होड़ और सैन्य आक्रामकता का स्पष्ट विरोध करे। हाल के वर्षों में भारत की कुछ महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मतदान से अनुपस्थिति उसकी नैतिक और लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं कही जा सकती।

भारत को तटस्थता से ऊपर उठकर शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, संवाद और न्याय के पक्ष में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। भारत को चाहिए कि वह केवल रणनीतिक संतुलन बनाए रखने तक सीमित न रहे, बल्कि संवाद, न्याय और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पक्ष में स्पष्ट व सक्रिय भूमिका निभाए—ताकि वह केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक नैतिक नेतृत्व का प्रतीक बन सके।

भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध गांधीजी के विचारों से प्रेरित रहे हैं। ऐसे में भारत का कर्तव्य है कि वह ईरान को अलग-थलग करने के प्रयासों में भागीदार बनने के बजाय उसे संवाद और सहयोग की प्रक्रिया में सहभागी बनाए। महात्मा गांधी हमें एक व्यापक नैतिक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जिसमें सत्य, अहिंसा, समता और सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों के आधार पर समाधान की तलाश की जाती है। आज का विश्व यदि गांधीजी के उस नैतिक चश्मे से इन समस्याओं को देख सके, तो न केवल फिलिस्तीन बल्कि पूरा पश्चिम एशिया एक बार फिर शांति, सहयोग और मानवता की राह पर लौट सकता है।

अजब-गजब

पिता ने बेटे के ऊपर खर्च कर दिए 6 करोड़, फिर भी खुश नहीं है वो

एक पिता अपने बेटे को खुश करने के लिए अपनी दौलत हमेशा लुटाने को तैयार रहता है, लेकिन जापान से इन दिनों एक ऐसा किस्सा सामने आया है, जहां एक पिता ने अपने बेटे को खुश करने के लिए लगभग 6 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। इसके बाद बेटे ने जो बात कही उसे जानकर आप भी यही कहेंगे कि पेरेंट्स चाहे अपने बच्चों के लिए कितना भी कुछ क्यों ना कर दे, लेकिन बच्चों को हर बार चीजें कम ही लगती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान में एक पिता ने अपने बेटे के बचपन की तस्वीरों वाले विज्ञापन कैंपेन को चलाया, जिससे वो दिखा सके कि ईश्वर ने उन्हें कितना प्यारा बेटा दिया है और उनका बेटा भी उनसे खुश हो जाए। इस पूरे कैंपेन के लिए पिता ने 700,000 डॉलर यानी 5 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर दिए। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (SCMP) की रिपोर्ट के अनुसार , इस पिता ने इतने पैसे खर्च करके शहर भर में अपने बेटे की बचपन की तस्वीरों वाले कई विज्ञापन दिए हैं चाहे वो फुटब्रिज बैनर हों या सिटी बस या पार्किंग साइन।

यू-कुन नाम का लड़का जिसे वहां के लोग "द लैंडमार्क किड", जिनके पिता को ये लगता था कि उनका बेटा काफी प्यारा है और ये बात पूरे शहर को पता होनी चाहिए। विज्ञापन अभियान में यू-कुन की पूरी तस्वीरें दिखाई गई हैं, जिसमें वह अजीबोगरीब चेहरे बना रहा है। इस बात की खबर जब बच्चे को लगी तो उसे इस बात की जरा सी भी खुशी नहीं हुईउल्टा उसने अपने पिता को सुनाते हुए कहा कि मैं इतना प्यारा हूं, तो जो पैसे आपने वहां खर्च किए वो मेरे अकाउंट में ट्रांसफर कर देते हैं। लोग अब शायद उस तस्वीर से मुझे नहीं पहचान पाएंगे क्योंकि मैं अब बड़ा हो चुका हूं।

ये कहानी इंटरनेट की दुनिया में आते ही वायरल हो गई और हर कोई इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया देने लगा। एक यूजर ने लिखा कि ये पिता के प्यार दिखाने का एक तरीका था। वहीं दूसरे ने लिखा कि यहां बेटा बात तो एकदम सही कह रहा हैलगानी थी तो अब की फोटो को लगाते। एक अन्य ने लिखा कि सच में एक पिता अपने बेटे के प्यार में कितना अंधा हो सकता है, ये अब देखने को मिल रहा है।

ब्लॉग

ईरान और इजरायल के तीव्र होते युद्ध से बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा से त्रस्त दुनिया में क्या अब शांति एवं अमन की संभावनाओं पर विराम लग गया है? क्या शांतिपूर्ण नये विश्व की संरचना अब दिवास्वप्न है? रूस और यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद इजराइल और ईरान का युद्ध विश्व के लिये महाविनाश की टंकार है। इस युद्ध के खतरे बढ़ते ही जा रहे हैं। अब तक के नौ दिनों के युद्ध में ईरान और इजरायल में सैकड़ों की मौत, हजारों घायल, अरबों का नुकसान, दुनिया में अनिश्चिंतता एवं भय का माहौल, तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की आशंका ने समूची दुनिया को डरा रखा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर नुकसान पहुंचा है, लेकिन नष्ट नहीं किया गया है। अमेरिका और इजराइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर अब उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इजराइल इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर तीव्र से तीव्रत्तर हमले कर रहा है और ईरान भी जबावी हमलों में इजरायल में तबाही मचा रखी है। युद्ध भले ही इन दो देशों के बीच हो रहा है, लेकिन उसका प्रभाव समूची दुनिया पर हो रहा है। इस संघर्ष को रोकना आवश्यक है, भले ही अमेरिका अभी तक मैदान में नहीं उतरा और यूरोप अपनी तरफ से कोशिश कर रहा है। इस युद्ध को रोकने के लिये बातचीत ही एकमात्र रास्ता है।

ईरान और इजरायल संघर्ष की वजह से दुनिया में अनिश्चिंतता एवं अस्थिरता के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषतः तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। पिछले दिनों क्रूड ऑयल के दाम में एक ही दिन में पिछले तीन साल की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी है। दोनों देश एक-दूसरे के ऊपर मिसाइलों से हमला कर रहे हैं, परमाणु युद्ध की आशंकाएं उग्र होती जा रही है। दोनों देशों के बीच फिलहाल इस युद्ध के रुकने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। तेल की बढ़ती कीमतों ने भारत समेत दुनियाभर के लिए संकट पैदा कर दिया है। क्रूड ऑयल की ग्लोबल डिमांड का 2 प्रतिशत ईरान से आता है। यहां के खरग द्वीप से करीब 90 प्रतिशत तेल बाहर भेजा जाता है। सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि क्रूड शिपमेंट में कमी आई है। पूर्ण युद्ध की स्थिति में ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इससे होकर दुनिया की 20 प्रतिशत नेचुरल गैस और एक तिहाई तेल ट्रांसपोर्ट होता है। यह रूट बाधित हुआ तो कच्चे तेल में 20 प्रतिशत तक उछाल आ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के अनुसार इराक, सऊदी अरब, कुवैत और यूएई से आने वाला कच्चा तेल, जो होर्मुज से होकर गुजरता है, भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 45-50 प्रतिशत है। एक तथ्य यह भी है कि ईरान भी जानबूझकर तेल की कीमतों को आसमान छूने के लिए मजबूर करके ट्रम्प प्रशासन को अस्थिर करने की कोशिश कर सकता है और पश्चिमी देशों में मुद्रास्फीति बढ़ा सकता है।

ईरान और इजरायल के युद्ध के जटिलतर एवं घातक होते जाने के ही संकेत मिल रहे हैं। इजरायल चाहता है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन हो और अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डोनाल्ड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को परमाणु ताकत बनने में कोई दिलचस्पी नहीं होगी, वह भी जब उसके पास अमेरिका और इजरायल के हिसाब से जरूरी साधन मौजूद हैं। इन हवाई हमलों से या जमीन पर सीधी लड़ाई लड़कर भले ही ईरान के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म कर दिया जाये, लेकिन ईरान के उस तकनीकी ज्ञान को कैसे खत्म किया जा सकता है, जो ईरानी वैज्ञानिकों ने बरसों की मेहनत से हासिल की है। ऐसे में विदेशी दबाव में हुआ बदलाव ईरान को और ज्यादा कट्टरता की ओर ही ले जायेगा। ऐसे में अमेरिका या इजराइल के हमलों से ईरान में आमूल-चूल परिवर्तन होना संभव प्रतीत नहीं होता। हकीकत में यह काम ईरानी जनता पर छोड़ना चाहिए, बदलाव की मांग वहां से उठनी चाहिए। ईरान के लोग भी अपनी हुकूमत के खिलाफ है, भीतर-ही-भीतर आक्रोश है, इसे आंदोलन का रूप देकर ईरान में सत्ता परिवर्तन का माहौल बनाना चाहिए। यही ईरान के लिये बेहतरी का रास्ता है, क्योंकि परमाणु हथियार बनाने की जिद्द में बहुत सारे संसाधनों को बर्बाद कर दिया है। इराक, लीबिया, सीरिया- कई उदाहरण हैं, जहां पश्चिमी ताकतों ने अपने हिसाब से बदलाव लाने के प्रयास किये, लेकिन इनमें से कहीं भी नतीजा मन-मुताबिक एवं सफल-सार्थक नहीं रहा। ये देश आज भी अस्थिर हैं। तेहरान को लेकर कोई भी दुस्साहस ईरान को भी इन्हीं मुल्कों की श्रेणी में ला सकता है। ऐसी स्थितियों में कैसे बदलाव की आशा की जा सकती है?

अमेरिका हो या इजरायल, ईरान या दुनिया की अन्य महाशक्तियों उनकी तरफ से ऐसी कोई पहल होती हुई नहीं दिख रही है, जिससे लगे कि वे यह संघर्ष टालना चाहते हैं। इजराइल का कहना है कि वह ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल होने तक युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है? ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची का कहना है कि कोई भी बातचीत इजराइली हमले रुकने के बाद ही होगी। दोनों देशों की जिद्द एवं अकड से प्रतीत नहीं होता कि शांति एवं युद्ध विराम का रास्ता संभव है। ईरान निश्चित रूप से दोषी है, दुनिया में अशांति का बड़ा कारण भी है। क्योंकि उसने अपने परमाणु-शक्ति के अपने प्रयासों को इस हद तक आक्रामक रूप से छिपाया कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को भी कहना पड़ा कि ईरान अपने परमाणु अप्रसार दायित्वों का पालन नहीं कर रहा है। वैसे, इजराइल ने पिछले 15 वर्षों में कई बार ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर निशाना साधा है, लेकिन हर बार वह या तो अमेरिकी दबाव में या अपनी सैन्य क्षमताओं पर संदेह के कारण अंतिम समय पर पीछे हट गया था। सवाल यह भी है कि इस संघर्ष का इराक, लेबनान, सीरिया और यमन पर क्या असर होगा, क्योंकि वहां पर ईरान एक लंबे समय से अपना प्रभाव जमाए हुए है और सशस्त्र उग्रवादियों एवं आतंकवादियों को पोषित करता आया है। हिजबुल्ला की रीढ़ तोड़ने से इस परिदृश्य में बदलाव की शुरुआत पहले ही हो चुकी है और लेबनान-सीरिया में पहले ही इसका लाभ मिल चुका है, जहां नए, बहुलतावादी नेताओं ने सत्ता संभाली है। ईरान के प्रभाव-क्षेत्र से इराक का पलायन भी वहां के लोगों के बीच व्यापक रूप से लोकप्रिय रहा है।

ईरान की जनता अपने शासकों के प्रति नाराज है। वह सत्ता परिवर्तन चाहती है, इसलिये इजराइल से युद्ध में जनता का समर्थन नगण्य है। इसका फायदा इजरायल को मिल रहा है, इसी कारण इजरायल ईरान के शीर्ष मिलिट्री अधिकरियों की सटीक लोकेशन खोजकर उन्हें मार गिराने में सफल हो पायी है। इससे मालूम होता है कि कितने ईरानी अधिकारी इजराइल के लिए काम करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि वे अपनी सरकार को नापसंद करते हैं। बावजूद इसके अगर इजराइल अपने प्रयास में विफल हो जाता है और तमाम चोटें खाने के बावजूद ईरान परमाणु हथियार बनाने में सक्षम हो जाता है तो इससे क्षेत्र पहले से कहीं अधिक अस्थिर हो जाएगा। तेल संकट भी बढ़ेगा और संभवतः ईरान अमेरिका-समर्थक अरब शासनों पर हमला करने के लिए प्रेरित हो सकता है। तब अमेरिका के पास इस लड़ाई में कूदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ऐसी स्थितियां दुनिया के लिये अधिक घातक होगी, दुनिया में युद्ध के गहराते संकटों से मुक्ति का कोई तो रास्ता निकलना ही चाहिए।

'पहले मेरी हत्या कर दो फिर...' भाई ने मानी बहन की ये बात, हत्या के बाद बोला- बहुत प्यार करता था उससे

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के थाना गोविंद नगर में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग भगवान दास ने अपनी 60 वर्षीय बुजुर्ग बहन द्रौपदी आनंद की बेरहमी से हत्या कर दी थी। उसने अपने घर पर ही पहले बहन के पैर बांधे और उसके शरीर पर बिजली के तार को लपेटकर उसे करंट लगाया और फिर बांका से हमला कर द्रौपदी आनंद की हत्या कर दी थी। इसके बाद वह बेहोशी की हालत में मिला था, जिसे अब होश आया और उसने बताया कि उसने बहन की हत्या उसी के कहने पर की थी।

भगवान दास को शनिवार देर रात होश आ गया। उसके बाद उसने रविवार को पुलिस से अपनी बहन की हत्या करने की बात कबूल कर ली। भगवान दास ने बताया कि उसकी बहन द्रौपदी आनंद और वह बुरी तरीके से आर्थिक स्थिति से जूझ रहे

थे। मेरी बाईपास सर्जरी हुई थी। मैं बीमारी से थक चुका था। मैं मरना चाहता था। यह बात मैंने जब अपनी बहन को बताया तो उसने कहा उससे पहले वह उसे मार दे, नहीं तो उसके मरने के बाद उसकी देखरेख और उसका ख्याल कौन रखेगा।

भगवान दास ने बताई हत्या की वजह

भगवान दास ने कहा कि हम दोनों भाई-बहन एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे। बस इसलिए मैंने उसके कहने पर उसके ऊपर बांके से हमला कर उसे मार दिया। इसके बाद कहीं वह जिंदा न बच जाए। इसके लिए उसके पैर बांधकर उसे बिजली का करंट लगा दिया। इसके बाद मैंने अपने खून से सने हुए कपड़े बदले और मैं खुद आत्महत्या करने के लिए कानपुर के गोविंद नगर रेलवे स्टेशन पर आया। मैं ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या करना चाहता था। लेकिन तमाम तरह के दिमाग में आ रहे सवालों और घबराहट के बाद मैं बेहोश हो गया और अगले दिन मैंने अपने आप को अस्पताल के बेड पर पाया।

नाक और सिर की हड्डी टूटने से मौत

इस मामले में द्रौपदी और भगवान दास के बड़े भाई पुरुषोत्तम बड़ोदरा से कानपुर पहुंचे पोस्टमार्टम हाउस में उन्होंने किसी के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन छोटे भाई के खिलाफ गोविंद नगर थाने में हत्या की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ की नाक और सिर की हड्डी टूटने से द्रौपदी आनंद की मौत हुई। मामले में हत्या आरोपी भगवान दास से मिलने के लिए भी उसके भाई पुरुषोत्तम अस्पताल नहीं गए। पुरुषोत्तम ने अपनी बहन का अंतिम संस्कार गोविंद नगर स्थित स्वर्ग आश्रम में किया।

भगवान दास ने हत्या की बात कबूली

हत्या आरोपी भगवान दास ने रोते हुए पुलिस से कहा कि वह अपने और अपनी बहन के इलाज के चलते आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। ऐसे में जान देने के अलावा उसके पास कोई रास्ता नहीं था। मामले में गोविंद नगर थाना पुलिस के प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया की हत्या आरोपी भाई भगवान दास ने हत्या करने की बात कबूल ली है। द्रौपदी के भाई पुरुषोत्तम ने छोटे भाई के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में जांच पड़ताल कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नुमाइश मेले में लगी भीषण आग, 20 से अधिक दुकानें जलकर राख, सिलिंडर फटने से हुए धमाके

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के सदर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार सुबह बड़ी घटना हो गई। गांधी मैदान में लगे नुमाइश मेले में भीषण आग लग गई। आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में रखे सिलिंडर धमाकों के साथ फटे, जिससे दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के प्रयास शुरू किए गए। दमकल यूनिट ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

शहर के गांधी ग्राउंड में नुमाइश मेला लगा है। यहां सोमवार सुबह एक दुकान में किसी तरह आग लग गई। आग ने नुमाइश मेले की 20 से अधिक दुकानों को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग से दुकानें जल उठी। भीषण आग को देख दुकानदारों में अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल यूनिट ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

है।

इधर, एडीएम प्रशासन अरुण कुमार, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, एसडीएम सदर मोहित सिंह, सीओ सिटी रजनीश उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया है। आग से क्रॉकरी, खिलौने आदि दुकानों का सामान जला है। बताया गया है कि दुकानों में रखे सिलिंडर धमाकों के साथ फटे, जिससे दहशत फैल गई। आग लगने का कारण पता नहीं चला है। दुकानों को जलता देख महिला दुकानदार फफक कर रो पड़ीं।

जीजा पर पति ने किया कमेंट, सुनते ही तुनक गई पत्नी, हसबैंड पर चाकू से किया हमला

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक महिला ने अपने जीजा के साथ मिलकर पति पर चाकू से हमला कर दिया। इस हमले से पति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि महिला अपने जीजा के साथ घूमने के लिए जा रही थी, जिसका पति ने विरोध किया। इसी बात पर महिला और उसके जीजा ने उस पर (पति पर) चाकू से हमला कर दिया। ये पूरी घटना गोरखपुर के सहजनवां थाना इलाके के भीटी रावत की बताई जा रही है।

पति ने पत्नी और उसके जीजा के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। पति सच्चितानंद यादव ने पुलिस को जो तहरीर दी है, उसमें कहा है कि साल 2019 में उसकी शादी गुलरिहा थाना इलाके के एक गांव की युवती से हुई थी। पति ने कहा कि शादी के बाद वो

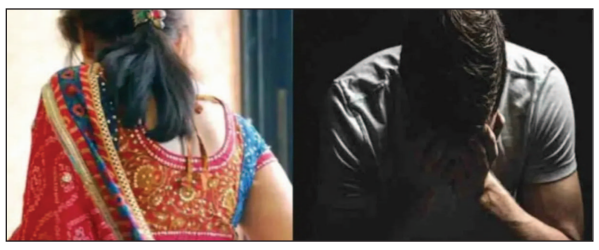

घर वालों को परेशान करने लगी।

पति ने लगाया ये आरोप

पत्नी ने अक्सर अपने बहन के पति (जीजा) के साथ बाहर घूमना जाना शुरू कर दिया। पति ने कहा कि वो अपनी पत्नी के उसके जीजा के साथ बार-बार घूमने जाने का विरोध करता तो वो उसे उसके साथ गाली गलौज करती। साथ ही उसे मार डालने की धमकी देती। पति का आरोप है इसी तरह एक दिन और पत्नी अपने जीजा के साथ बाहर घूमने के लिए जा रही थी।

मामले में पुलिस ने क्या कहा?

उसने (पति ने) विरोध किया तो दोनों (पत्नी और उसके जीजा) ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मामले में पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर उसकी पत्नी प्रीति और साढू राममिलन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी सामने आएगा, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव भर में पत्नी और उसके जीजा के इस काम की चर्चा की ज रही है।

महापौर ने किया रथयात्रा मार्ग का निरीक्षण

प्रयागराज। प्रयागराज महानगर में 27 जून को प्राचीन एवं प्रसिद्ध रथ यात्रा को लेकर महापौर ने रथयात्रा मार्ग कीडगंज, मुट्ठीगंज, बहादुरगंज, हटिया पुलिस बूथ, बलुआ घाट, अग्रसेन चौराहा जॉनसेन गंज, घंटाघर ,लोकनाथ चौक का निरीक्षण किया। उन्होंने रथयात्रा मार्ग की क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करने और लटकें हुए बिजली के तारों को ऊंचां करने और पेड़ की टहनियों को छांटने का आदेश दिया। इसके अलावा सड़क पर हो रहे हैं जल जमाव की समस्या को लेकर जनता से रूबरू होते हुए उन्हें तत्काल सही कराने का अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि रथ यात्रा महोत्सव प्रयागराज का गौरव है और इसकी गौरव को बरकरार रखने में सब मिलकर काम करेंगे और रथ यात्रा महोत्सव को सफल बनाएंगे। इस अवसर पर सबसे जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट के रथ यात्रा संयोजक राजेश केसरवानी, कीडगंज से निकलने वाली रथ यात्रा महोत्सव के महामंत्री महेंद्र तिवारी, और बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

'दलजीत दोसांझ को अरेस्ट करो...' फिल्म 'सरदार जी 3' पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात का विरोध, क्या बोले मौलाना?

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने पंजाबी गायक और अभिनेता दलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म 'सरदार जी 3' पर अपनी कड़ी आपत्ति व्यक्त की है। मौलाना रजवी ने विशेष रूप से फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को कास्ट किए जाने पर गंभीर चिंता जताई है और कहा है कि इससे भारत में एक गलत संदेश जा रहा है।

मौलाना रजवी ने इस बात पर जोर दिया कि हानिया आमिर ऐसे देश से आती हैं, जहां से आए आतंकियों ने हाल ही में पहलगाम में में दो दर्जन से अधिक निर्दोष लोगों की जान ले ली। उन्होंने सवाल उठाया कि दलजीत दोसांझ को अपनी फिल्म के लिए भारत में कोई अभिनेत्री क्यों नहीं मिली, और उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेत्री को ही क्यों चुना। मौलाना ने दोसांझ की सोच पर सवाल उठाते हुए

कहा कि वह पाकिस्तान की "आतंकवादी सोच" वाले लोगों की सराहना क्यों करते हैं। उन्होंने दलजीत दोसांझ से इन सभी मुद्दों पर जवाब मांगा है।

'सरदार जी 3 फिल्म न देखने की अपील'

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने भारत के लोगों से 'सरदार जी 3' फिल्म न देखने की अपील की है। साथ ही उन्होंने भारत सरकार से दलजीत दोसांझ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की है। मौलाना ने कहा कि भारत के सभी नागरिकों को 'सरदार जी 3' का बहिष्कार करना चाहिए और भारत सरकार को तत्काल इस फिल्म पर रोक लगाकर इसके निर्देशक दलजीत दोसांझ को गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए।

'सिर्फ अपने फायदे के लिए दलजीत ने बनाई फिल्म'

मौलाना ने पहलगाम आतंकी घटना और उसके बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के अंदर आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी हवाला दिया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे भारत ने पाकिस्तान की आतंकवादी सोच को दुनिया के सामने बेनकाब करने के लिए विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजे। मौलाना रजवी ने दलजीत दोसांझ पर अपने निजी फायदे के लिए ऐसी फिल्म बनाने का आरोप लगाया।

इंटरलॉकिंग उखाड़ कर पाइप लाइन डालकर दुबारा इनटरलॉकिंग लगाना भूल गए ठकेदार

आर्यावर्त संवाददाता

उतरौला(बलरामपुर)। उतरौला में जल जीवन मिशन योजना के तहत पाइप लाइन बिछाई गई इस दौरान ठेकेदार ने आशीष कसौधन एडवोकेट के घर के पास इंटरलॉकिंग उखाड़ कर पाइप डाली और इंटरलॉकिंग भी उखाड़ ले गए लेकिन कई महीनों से इंटरलॉकिंग दोबारा नहीं लगाई गई इंटरलॉकिंग के उखड़े होने से वार्ड वासियों को आने जाने में परेशानी और दिक्कत हो रही है स्थानीय निवासी अरविंद कुमार,राजू,सोनू कल्पनाथ,और राहुल ने बताया कि हल्की बारिश में सड़क पर पानी भर जाता है उन्होंने नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप चंद्र गुप्ता और ठेकेदार से कई बार शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई रास्ते में गड्ढे और पानी भरने से बच्चे और बाइक सवार चोटिल हो रहे हैं इस मामले अधिशाषी अधिकारी राजमणि वर्मा ने आश्वासन दिया कि वार्ड में जल्द इंटरलॉकिंग का कार्य शुरू होगा।

'हम आ रहे हैं...' कानपुर में पुलिस ने बदमाश को कैसे भगाया, क्या खुद दे दी थी रेड की जानकारी?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। पांच वर्ष पूर्व हुए बहुचर्चित बिकरू कांड से कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने कोई सबक नहीं ली। उस समय गैंगस्टर विकास दुबे को दबिश की सूचना मिलने के कारण सीओ समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। अब एक नया मामला सामने आया है, जहां जागेश्वर मंदिर चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई और एक सिपाही पर आरोपी अधिवक्ता अनूप शुक्ला को दबिश से पहले सूचना देकर भगाने का आरोप लगा है। रविवार को इस घटना का सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के साथ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

घटना 12 जून की है। जब एसीपी कर्नलगंज अमित सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने नवाबगंज निवासी

अधिवक्ता अनूप शुक्ला के घर दबिश दी थी। अनूप, अधिवक्ता दीनू उपाध्याय उर्फ धीरज के गैंग का कथित सदस्य है, जो जमीन कब्जे और रंगदारी के सिंडिकेट में शामिल बताया जाता है। दीनू को पुलिस ने 10 मई को पिंटू सेंगर हत्याकांड में जेल भेजा था, जिसके बाद अनूप फरार चल रहा था। दबिश से ठीक पहले अनूप को भागने की सूचना मिली और वह फरार हो गया।

वीडियो हुआ वायरल

वायरल सीसीटीवी फुटेज में चौकी इंचार्ज आदित्य बाजपेई और एक सिपाही बाइक पर अनूप के पास पहुंचते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में दोनों पुलिसकर्मी इशारों में अनूप को भागने के लिए कहते नजर आ रहे हैं। अनूप एक व्यक्ति के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागता दिखा, जबकि आदित्य हंसते हुए इशारे में कुछ कहते हुए कैमरे में कैद हुए।

दो पुलिसकर्मी निलंबित

मात्र 30 सेकंड बाद आदित्य एसीपी के साथ उसी स्थान पर दबिश देने पहुंचे। एसीपी कर्नलगंज की जांच रिपोर्ट के आधार पर डीसीपी सेंट्रल ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। चौकी इंचार्ज आदित्य ने कहा कि वह जांच समिति के सामने अपना पक्ष रखेंगे। यह घटना पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है और बिकरू कांड जैसे हादसों की पुनरावृत्ति की आशंका को बल देती है।

करंट लगने से पांच साल के बच्चे ने तोड़ा दम, सूचना पर बाइक से घर जा रहे बाप की सड़क हादसे में मौत

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। उन्नाव जिले के रसूलाबाद कस्बे में रविवार रात दस बजे पंखे के कटे तार की चपेट में आने से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। बेटे की मौत की सूचना पर घर जा रहे बाइक सवार पिता की सड़क हादसे में मौत हो गई। आसीवन थानाक्षेत्र के कस्बा रसूलाबाद निवासी अयांश (5) पुत्र विष्णु जायसवाल रविवार रात घर में करंट की चपेट में आ गया। सीएचसी ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की सूचना पर शहर में रहकर काम करने वाले पिता विष्णु बाइक से घर जा रहे थे। माखी-रसूलाबाद मार्ग पर माखी थानाक्षेत्र के नहर के पास वाहन की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गए। पीछे से आ रहे शहर में रहने वाले परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें सड़क किनारे पड़ा देखा। जिसपर उन्हें मियागंज सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। आसीवन थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने बताया कि दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

समाजवादी पार्टी का एक्शन, 3 बागी विधायकों को दिखाया बाहर का रास्ता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने अपने 3 विधायकों को पार्टी से निकाल दिया है। इस संबंध में पार्टी ने आधिकारिक बयान जारी किया है। सपा ने ये कार्रवाई उनकी जन विरोधी विचारधारा और पार्टी के मूल उद्देश्य से भटकने की वजह से की है। पार्टी ने अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडे को बाहर का रास्ता दिखाया है। सपा ने सोशल मीडिया X पर लिखा कि समाजवादी सौहार्दपूर्ण सकारात्मक विचारधारा की राजनीति के विपरीत साम्प्रदायिक विभाजनकारी नकारात्मकता व किसान, महिला, युवा, कारोबारी, नौकरीपेशा और पीडीए विरोधी विचारधारा का साथ देने के कारण, समाजवादी पार्टी जनहित में विधायकों को पार्टी से निष्कासित करती है। सपा ने तीन बागी विधायक अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और मनोज कुमार पांडे को

पार्टी से निकाला है। उसने साफ कर दिया है कि जन विरोधी लोगों के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। समाजवादी पार्टी की तरफ से यह भी कहा गया कि इन लोगों को हृदय परिवर्तन के लिए दी गई अनुग्रह-अवधि की समय-सीमा अब पूरी हो गई है, शेष की समय-सीमा अच्छे व्यवहार के कारण शेष है। समाजवादी पार्टी ने इन्हें भविष्य के लिए सहृदयपूर्ण शुभकामनाएं भी दी हैं।

बीजेपी का साथ देने के लिए पार्टी से निकाला?

इन विधायकों को राज्यसभा चुनाव के समय पर बीजेपी का साथ देने के लिए भी पार्टी से निकाला गया है। सपा की तरफ से कहा गया है कि पार्टी के मूल विचार की विरोधी गतिविधियां सदैव अक्षम्य मानी जाएंगी। इन विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग की थी।

समाजवादी पार्टी के इस फैसले के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होनें कहा कि बीजेपी सबको साथ लेकर चलती है। लेकिन सपा अपनी ही पार्टी के लोगों पर अत्याचार करती है। इनके कई नेता तनाव में हैं। लोग अभी भी समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में हुई गुंडागर्दी और अराजकता को भूले नहीं हैं। सपा हाशिए पर चली गई और उनकी जमीन खिसक रही है।

जेटीडीसी में प्रयागराज की पत्रकारिता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कल 22 जून को उद्घाटन हुआ और आज संगोष्ठी सम्पन्न हो गई। प्रयागराज की हिन्दी पत्रकारिता, चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ पर विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किया। अमेरिका, मारीशस, कतर, बेल्जियम के विद्वानों ने वैश्विक स्तर पर हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। मारीशस से हिन्दी रेडियो की ब्राडकास्टर शशि दूकन, अमेरिका से सृजन अमेरिका के सम्पादक अरुण नामदेव, बेल्जियम से सृजन यूरोप के सम्पादक कपिल कुमार, सृजन मारीशस के सम्पादक डा सोमदत्त काशीनाथ, डा. शैलेश शुक्ला वैश्विक प्रधान सम्पादक एवं कार्य क्रम के मुख्य आयोजक ने न्यू मीडिया, उसके प्रभाव, मीडिया की विसंगतियां, पेड मीडिया, मीडिया में हो रहा नित नया बदलाव, सोशल मीडिया का हस्तक्षेप, मीडिया का लोकतांत्रिक स्वरूप आदि पर बहुत विस्तार से चर्चा की।

'दो बेटियों की थी शादी...' एक की पहुंची बारात, दूसरा दूल्हा दे गया दगा, फिर फोन कर कही ये बात

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में दहेज में कार और कैश की डिमांड न पूरी होने पर दूल्हा बारात लेकर नहीं गया। दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाकर उसका इंतजार करती रही, लेकिन दूल्हे ने कहा कि जबतक कार नहीं मिलेगी, तबतक वह शादी करने नहीं आएगा। शादी के दिन दूल्हे द्वारा दहेज में लग्जरी कार और पैसे की डिमांड से लड़की के पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। फिलहाल, पुलिस ने लड़की के पिता की तहरीर पर दूल्हे समेत 5 नामजद और 4 अज्ञात के खिलाफ मुक़दमा दर्ज़ किया है।

दरअसल, पूरा मामला बक्सा थाना क्षेत्र के शंभूगंज बाजार का है। शंभूगंज निवासी एक व्यक्ति ने अपनी दोनों बेटियों का निकाह वाराणसी के पत्थर गली, कोदई चौकी निवासी कवीर उर्फ वज़ीर पुत्र स्व० अब्दुल के परिवार में तय किया था। शादी के लिए शहर कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में भव्य इंतज़ाम किए गए थे। तय तिथि पर पहली बेटी की बारात समय से होटल पहुंच गई और रस्में भी पूरी हो गईं। लेकिन दूसरी बेटी की बारात का कोई अता-पता नहीं चल रहा था। दूल्हे की मां और कुछ लोग पहुंच गये, लेकिन समय पर दूल्हा नहीं पहुंचा तो लड़की पक्ष के लोगों द्वारा बार-बार पूछने पर सिर्फ़ यही जवाब मिलता रहा कि कुछ ही देर में लड़का पहुंच रहा है।

दहेज में कार की डिमांड

काफी इंतजार के बाद जब परिजनों ने सीधे दूल्हे कबीर से संपर्क किया, तो उसकी डिमांड ने सभी को हैरान कर कर दिया। आरोप है कि दूल्हे ने साफ कहा, जब तक दहेज में लग्जरी कार नहीं मिलेगी, मैं बारात नहीं लाऊंगा और निकाह भी नहीं करूंगा। इस मांग से आग बबूला हुए दुल्हन पक्ष ने मौके पर मौजूद दूल्हे की मां को बंधक बना लिया और तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। दुल्हन पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने दूल्हा कबीर समेत 5 नामजद और 4 अज्ञात के खिलाफ दहेज की मांग और विवाह में धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

क्या बोले सीओ?

इस संबंध में सीओ सिटी देवेश सिंह ने बताया कि लड़की के पिता ने कोतवाली में तहरीर दी कि मेरे पुत्री का विवाह दूल्हे के नहीं पहुंचने के कारण नहीं हो पाया। पिता के मुताबिक, दूल्हे द्वारा क्रेटा कार और पैसे की डिमांड की गई थी। मांग पूरी ना होने पर वर पक्ष शादी करने नहीं पहुंचा। इसके बाद दूल्हा कबीर समेत 5 नामजद और 4 अज्ञात के खिलाफ दहेज की मांग और विवाह में धोखाधड़ी करने और गम्भीर आरोप में मुकदमा दर्ज करते हुए जांच पड़ताल की जा रही है।

ज्ञान का भंडार है 6 फलों का रस, बिजली की तेजी से चलेगा दिमाग, चुटकियों में सुलझा लेंगे पहेली

ज्ञान पाने के लिए दिमाग को ताकतवर बनाएं। इसके लिए कुछ फलों का जूस पी सकते हैं। इन फलों में ब्रेन फंक्शन सुधारने की काबिलियत होती है। यह आपकी याददाश्त बढ़ाते हैं और सीखने की शक्ति बढ़ाते हैं।

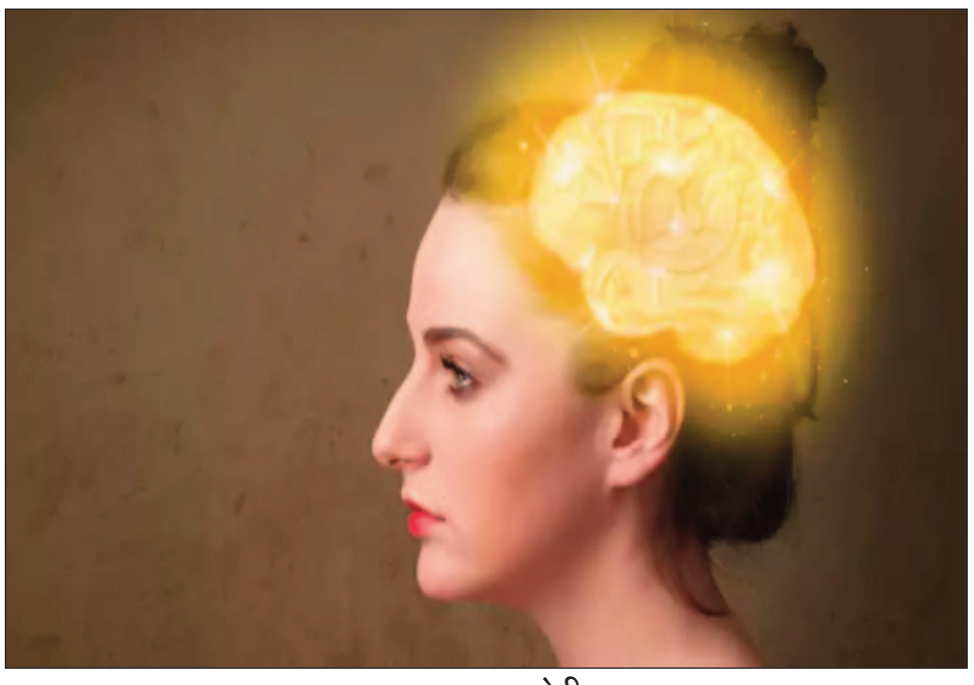

ज्ञान इकट्ठा करने के लिए दिमाग का तंदरुस्त होना आवश्यक है। अगर आपका ब्रेन ढंग से काम नहीं कर रहा है तो न आप नई चीजें सीख पाएंगे और न कुछ याद रख पाएंगे। ब्रेन फंक्शन को बढ़ाने के लिए कुछ फलों का जूस पिया जा सकता है। यह आपकी समझदारी और याददाश्त को बढ़ाने में मदद करेगा। इन फलों का रस विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर हैं जो दिमाग़ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

ब्लूबेरी का रस

ब्लूबेरी को अक्सर ब्रेन बेरी कहा जाता है। क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट, खासकर फ्लेवोनोइड्स से भरपूर होता है। ब्लूबेरी का रस याददाश्त और दिमाग़ की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। साइंस डायरेक्ट में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि नियमित रूप से ब्लूबेरी का रस पीने से दिमाग़ की कार्यक्षमता में सुधार होता है। ब्लूबेरी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं जो दिमाग़ की सेल्स को नुकसान पहुंचा सकता है और उनके कामकाज में बाधा डाल सकता है।

अनार का रस

अनार का रस भी दिमाग़ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें पॉलीफेनोल्स की मात्रा अधिक होती है जो याददाश्त में सुधार करते हैं और दिमाग़ को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ॉर्निया, लॉस एंजिल्स (UCLA) के शोध से पता चला है कि नियमित रूप से अनार का रस पीने से याददाश्त और दिमाग़ की सक्रियता बढ़ सकती है। अनार की एंटी इंफ्लामेटरी प्रॉपर्टी ब्रेन हेल्थ को बनाए रखने में मदद करते हैं।

संतरे का रस

विटामिन सी से भरपूर संतरे का रस दिमाग़ के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। विटामिन सी न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पादन के लिए आवश्यक है और दिमागी थकान को कम करने में मदद करता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि नियमित रूप से संतरे का रस पीने से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों में दिमाग़ की कार्यक्षमता में सुधार होता है। संतरे में मौजूद उच्च एंटीऑक्सीडेंट सामग्री भी मस्तिष्क को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाती है।

चुकंदर का रस

चुकंदर का रस दिमाग़ की कार्यक्षमता में सुधार के लिए लोकप्रिय हो रहा है। यह नाइट्रेट्स से भरपूर होता है जो मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे दिमाग़ की कार्यक्षमता बेहतर होती है। वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में पाया गया कि व्यायाम से पहले चुकंदर का रस पीने से बड़े वयस्कों में ब्रेन कनेक्टिविटी और ब्रेन फंक्शन में सुधार हुआ। ब्लड फ्लो बढ़ने से ब्रेन सेल्स तक अधिक ऑक्सीजन और पोषक तत्व पहुंचाने में मदद करती है।

अंगूर का रस

खासकर काले अंगूर का रस दिमाग के स्वास्थ्य के लिए एक और बेहतरीन ऑप्शन है। इसमें रेस्वेराट्रोल होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह मस्तिष्क के कार्य और याददाश्त को बढ़ाता है। जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एंड फ़ूड केमिस्ट्री में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, अंगूर के रस के सेवन से वृद्ध वयस्कों में याददाश्त और मोटर स्किल बढ़ सकती है। अंगूर में मौजूद पॉलीफेनोल्स मस्तिष्क को न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों से बचाने में भी मदद करते हैं।

चेरी का रस

चेरी सिर्फ़ स्वादिष्ट ही नहीं होती बल्कि इसका रस दिमाग़ के लिए भी फायदेमंद होता है। चेरी का रस एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लामेटरी कंपाउंड से भरपूर होता है जो दिमाग़ के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ डेलावेयर के एक अध्ययन में पाया गया कि जो वृद्ध वयस्क टार्ट चेरी का रस पीते थे, उनकी याददाश्त और दिमाग़ी क्षमताओं में महत्वपूर्ण सुधार दिखाई दिया। चेरी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करने में मदद करते हैं, जिससे मस्तिष्क का बेहतर कामकाज होता है।

क्या आप भी रात में लेते हैं प्रोटीन डाइट? वजन कम करने के चक्कर में 5 बीमारियों को दे रहे हैं दावत

प्रोटीन वेट लॉस से लेकर अच्छी सेहत तक के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। प्रोटीन का शरीर के लिए कई फायदे हैं, जैसे कि यह आपकी क्रेविंग को कंट्रोल करता है, हेल्दी वेट लॉस करता है, शरीर को एनर्जी देता है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है आदि। लेकिन इसके ये सब फायदे आपको तभी मिल सकते हैं, जब आप प्रोटीन का सेवन सही ढंग से करें।

कुछ लोग प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेते हैं, तो कुछ लोग, जो लोग जिम जाते हैं, वो हाई प्रोटीन डाइट में प्रोटीन सप्लीमेंट भी लेते हैं, जैसे कि प्रोटीन पाउडर। लेकिन तब भी कुछ लोगों को प्रोटीन का लाभ नहीं मिल पाता हैं, क्योंकि वो प्रोटीन गलत समय पर लेते हैं।

रात को हाई प्रोटीन डाइट लेना या प्रोटीन पाउडर लेना पाचन और सेहत को कई बार नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए रात लाइट और बैलेंस डाइट लेने की सलाह दी जाती है। आइए जानते है कि रात को हाई प्रोटीन डाइट लेने से सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं।

पेट में भारीपन

रात के समय प्रोटीन युक्त लेना डाइट लेना पाचन पर भारी हो सकता है, क्योंकि इससे पाचन तंत्र को अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

एसिडिटी और गैस की समस्या

हाई प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों को पचाने में अधिक समय लगता है और रात को कोई शारीरिक एक्टिविटी होती नहीं है। जिससे रात में एसिडिटी और गैस की समस्याएं हो सकती हैं।

नींद प्रभावित होती है

प्रोटीन युक्त खाने को पचाने में अधिक ऊर्जा भी लगती है, जिससे शरीर को आराम करने में कठिनाई हो सकती है और नींद प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा पेट में भारीपन महसूस होने पर आपको नींद नहीं आएगी।

वजन बढ़ना

रात के समय प्रोटीन युक्त डाइट लेने से अतिरिक्त कैलोरी का सेवन हो सकता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ सकती है।

किडनी पर प्रभाव

अत्यधिक प्रोटीन का सेवन किडनी पर अतिरिक्त प्रेशर डाल सकता है, खासकर जब किसी को पहले से किडनी संबंधित समस्याएं हों।

प्रेग्नेंसी में सता रही है बढ़े हुए वजन की चिंता, कम करना चाहती हैं तो पहले जान लें सेफ है या नहीं?

पहली बार मां बनने वाली महिलाएं बढ़ते वजन को लेकर परेशान रहती हैं। अगर आप भी इस तरह की फीलिंग से जूझ रही हैं, तो जानें प्रेग्नेंसी में बढ़ते हुए वजन को कम करना कितना सेफ है।

प्रेग्नेंसी का हर पल एक महिला के लिए खास होता है। इसमें भले ही कितनी भी कठिनाई क्यों न आएं, होने वाली मां इन सबको एन्जॉय करती है। वजन बढ़ना इसी का हिस्सा है। प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती का वजन बढ़ना मां और बच्चे दोनों के लिए अच्छा होता है। लेकिन कुछ गर्भवती महिलाएं वजन को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। अक्सर उनका यह सवाल रहता है कि क्या प्रेग्नेंसी में बढ़े हुए वजन को कम किया जा सकता है। अगर आप प्रेग्नेंट हैं और आपके मन में भी कुछ ऐसे ही सवाल आते हैं, तो आइए जानते हैं कि प्रेग्नेंसी में बढ़े हुए वजन को घटाना सेफ है या नहीं।

प्रेग्नेंसी में वजन कब बढ़ता है?

प्रेग्नेंसी पीरियड में वजन बढ़ने का समय अलग-अलग होता है। आमतौर पर वजन बढ़ने का प्रोसेस पहली तिमाही के आखिरी महीने से शुरू हो जाती है। इस वक्त थोड़ा थोड़ा वजन बढ़ने लगता है, वहीं ज्यादातर महिलाओं को दूसरी तिमाही से वजन बढ़ना शुरू होता है।

गायनाकोलॉजिस्ट की राय

गायनाकोलॉजिस्ट डॉ. सीमा गुप्ता कहती हैं कि प्रेग्नेंसी में वजन बढ़ने का मतलब है कि बच्चे की ग्रोथ अच्छे से हो रही है। हालांकि, जरूरत से ज्यादा वजन बढ़ना नुकसानदायक है। अगर वजन सामान्य रूप से बढ़ रहा है, तो इसे कम करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। क्योंकि वजन कम कर लेंगी, तो हेल्दी प्रेग्नेंसी के लिए भरपूर मात्रा में कैलोरी और पोषक तत्व मिलना बंद हो जाएंगे।

प्रेग्नेंसी में वजन घटाने से नुकसान

प्रेग्नेंसी में वजन कम करने से आपको लगातार उल्टी व मतली का अहसास होगा। ऐसा होने से बच्चे के डेवलपमेंट में रुकावट आ सकती है। इतना ही नहीं, महिला की डिलीवरी समय से पहले हो सकती है। अगर, गर्भावस्था के दौरान महिला का वजन नहीं बढ़ता, तो कुछ मामलों में बच्चे की मृत्यु तक हो जाती है। अच्छा होगा कि डॉक्टर के संपर्क में रहे।

प्रेग्नेंसी में वेट लॉस के लिए डाइटिंग

गर्भावस्था में आपका वजन कितना भी क्यों न बढ़े, लेकिन इसे कम करने के लिए डाइटिंग अच्छा विकल्प नहीं है। सीमित मात्रा में भोजन लेना गर्भस्थ शिशु के लिए हानिकारक है। क्योंकि हेल्दी प्रेग्नेंसी और बच्चे के लिए आपको पर्याप्त कैलोरी और पोषक तत्वों की जरूरत होती है। इसके अलावा प्रेग्नेंट महिला को कीटों और एटकिन्स डाइट से बचना चाहिए।

प्रेग्नेंसी में वजन कम हो रहा है तो क्या करें?

प्रेग्नेंसी में मॉर्निंग सिकनेस और टाइप 1 डायबिटीज होने की वजह से महिलाओं का वजन घटने लगता है। यहां बताए गए टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं।

दिनभर में एक साथ खाने के बजाय छोटी-छोटी मिल्स खाएं।

ऐसे खाद्य पदार्थों और गंध से बचें, जिससे आपको परेशानी होती हो।

सुबह उठकर भूख लगे, तो तुरंत कुछ खा लें।

रोजाना प्रीनेटल विटामिन का सेवन करें।

जरूरी मिल्स के बीच में हेल्दी स्नैक्स खाएं।

दिनभर में खूब पानी पिएं।

गर्भावस्था के दौरान महिलाएं बढ़ रहे वजन को लेकर टेंशन लेती हैं। लेकिन इस दौरान वजन कम करने की सलाह नहीं दी जाती। अगर वजन जरूरत से ज्यादा बढ़ रहा है, तो आपको अपने डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई कदम न उठाएं।

इस सरकारी स्कीम में निवेशक को मिलता है तगड़ा रिटर्न, मैच्योरिटी पर 1 करोड़ पाने के लिए रोज करना होता है बस इतना इन्वेस्ट

वर्तमान में निवेश के लिए कई सरकारी स्कीम मौजूद है। अगर आप एक ऐसी स्कीम की तलाश कर रहे हैं जहां हाई रिटर्न के साथ टैक्स बेनिफिट मिले तो आप पीपीएफ में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में आपको मैच्योरिटी पर 1 करोड़ से ज्यादा की राशि मिल सकती है। आइए इस स्कीम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

करोड़पति बनने का हर किसी का सपना होता है। इसके लिए कई लोग जॉब के साथ ही निवेश करना शुरू कर देते हैं। वर्तमान में निवेश के कई ऑप्शन मौजूद हैं, जिसमें ज्यादा रिटर्न मिल रहा है।

अगर आप भी कोई सिक्योर सेविंग स्कीम की तलाश कर रहे हैं तो आज हम आपको सरकार द्वारा चलाई जा रही पीपीएफ स्कीम के बारे में बताएंगे।

इस स्कीम में कोई रिस्क नहीं है और इस पर उच्च ब्याज भी मिलता है। अगर आप इस स्कीम में रोजाना 405 रुपये का निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी के बाद 1 करोड़ रुपये भी मिल सकते हैं।

पीपीएफ पर मिलता है शानदार ब्याज

बैंक और पोस्ट ऑफिस में फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में पीपीएफ स्कीम में ज्यादा ब्याज मिलता है। वर्तमान में सरकार इस स्कीम में 7.1 फीसदी की दर से ब्याज दे रही है। सरकार द्वारा इस स्कीम पर चक्रवृद्धि ब्याज दिया जाता है। हर कारोबारी साल के आखिरी महीने यानी मार्च में निवेशक के पीपीएफ अकाउंट में ब्याज का भुगतान होता है।

कितना करना होता है निवेश

पीपीएफ के वेबसाइट के अनुसार इस स्कीम में सालाना न्यूनतम 500 रुपये का निवेश और अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं। अगर कोई निवेशक पूरे वित्त वर्ष में निवेश नहीं करता है तो पीपीएफ अकाउंट फ्रीज हो जाता है। अकाउंट को दोबारा शुरू करने के लिए निवेशक को निवेश राशि के साथ पेनल्टी का भी भुगतान करना होता है।

टैक्स बेनिफिट का मिलता है फायदा

इस योजना की खास बात है कि यह पूरी तरह से टैक्स फ्री है। इसमें निवेश राशि, ब्याज और मैच्योरिटी के बाद मिलने वाले अमाउंट पर टैक्स नहीं लगता है। इसके अलावा इस स्कीम में इनकम टैक्स की धारा 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट भी मिलती है।

कितने साल में मैच्योर होती है स्कीम

इस स्कीम में निवेशक को 15 साल तक निवेश करना होता है। इसका मतलब है कि स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड (PPF Maturity Period) 15 साल का होता है। निवेश चाहे तो मैच्योरिटी पीरियड के बाद भी निवेश को जारी रख सकता है। हां, निवेशक पीएफ अकाउंट को 5-5 साल के लिए एक्सटेंड कर सकता है। इसके लिए उसे मैच्योरिटी से एक साल पहले आवेदन देना होगा।

मैच्योरिटी से पहले कर सकते हैं निकासी

पीपीएफ स्कीम में निवेशक मैच्योरिटी से पहले भी आंशिक निकासी कर सकते हैं। निवेशक आपात स्थिति में पीएफ अकाउंट में जमा राशि में से 50 फीसदी निकाल सकता है। हालांकि, जब पीएफ अकाउंट को 6 साल हो जाए उसके बाद ही आंशिक निकासी की जा सकती है। यहां तक कि पीएफ अकाउंट में 3 साल तक निवेश के बाद लोन भी लिया जा सकता है। निवेशक को पीएफ अकाउंट में जमा राशि का 25 फीसदी ही लोन मिलता है। लोन की रिपेमेंट टेन्योर 36 महीने का होता है और इस पर 2 फीसदी का ब्याज लगता है।

पीपीएफ स्कीम से कैसे बन सकते हैं करोड़पति?

पीपीएफ स्कीम एक तरह से करोड़पति स्कीम है। अगर निवेशक हर दिन 405 रुपये का निवेश करता है तो वह सालाना 1,47,850 रुपये का निवेश करेगा। अगर वह 25 साल तक अकाउंट में निवेश करता है और उसे 7.1 फीसदी का ब्याज मिलता है तो उसे मैच्योरिटी के वक्त 1 करोड़ रुपये से ज्यादा राशि मिलेगी।

ईरान– इजराइल जंग के बीच में ईरानी संसद में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का फैसला लिया गया, जिसके बाद से क्रूड ऑयल के दामों को लेकर कई सारी अटकलें लगाई जा रही हैं। लेकिन, क्या आपको है कि इसका नुकसान चीन को सबसे ज्यादा होगा। क्यों होगा आइए समझते हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद से भारत नहीं चीन को होगा तगड़ा नुकसान, डेली करता है इतना क्रूड ऑयल इंपोर्ट

ईरान और इजराइल की बीच जंग दिन-प्रतिदिन गहराती जा रही है। मिडिल ईस्ट में तनाव को शुरू हुए 10 दिन से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन दोनों देशों में से कोई पीछे हटने को तैयार नहीं है। अमेरिका भी जंग में कूद गया, जिसके बाद ईरानी संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का फैसला कर डाला। हालांकि, इस पर अंतिम मुहर लगनी अभी बाकी है। लेकिन, अगर यह खाड़ी बंद होती है, तो इसका सबसे ज्यादा नुकसान भारत को नहीं बल्कि चीन को होगा। आइए आपको बताते हैं कि इसी संकरे से रास्ते के जरिए चीन की लाइफ-लाइन कैसे चलती है। बंद से उसे क्यों और कितना नुकसान होगा।

22 जून 2025 में ईरान की संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का फैसला कर डाला, जिसके बाद से क्रूड ऑयल के दामों को लेकर फिर से एक बार चर्चा शुरू हो गई। जाहिर है अगर यह खाड़ी बंद होती है, तो चीन जैसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों को भी इसकी मार झेलनी पड़ सकती है। क्रूड ऑयल के दामों में आग लगने की आशंका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस खाड़ी से भारत के लिए डेली 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल आता है, जिसका असर भारतीय तेल बाजार पर भी देखने को मिल सकता है। हालांकि, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसको लेकर कहा है कि होर्मुज के बंद होने से देश को कोई नुकसान नहीं होगा। हमारे पास कई हफ्तों के लिए तेल है।

चीन को होगा इतना नुकसान

भारत ने इससे निपटने के लिए अपनी तैयारियां पहले से कर ली थीं। दूसरे विकल्पों की ओर देश ने रुख कर लिया था। लेकिन, होर्मुज की खाड़ी के बंद होने की मार सबसे ज्यादा चीन को झेलनी होगी। क्योंकि चीन दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक देश है। यूएस एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, 2024 में यह प्रतिदिन 4.13 मिलियन बैरल कच्चे तेल का प्रोडक्शन करता था और 11.11 मिलियन बैरल का आयात करता था। चीन के कुल तेल आयात का लगभग 45% हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से ही होकर गुजरता है। अगर यह खाड़ी बंद होती है, तो इसका नुकसान सबसे ज्यादा चीन को ही होगा। ईरान की संसद की ओर होर्मुज खाड़ी को बंद करने के फैसला लेने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी चीन को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम होर्मुज के लेकर चाइना से बात करेंगे क्योंकि वह इस खाड़ी के ऊपर काफी डिपेंड हैं।

6 छेद में छिपी है ईरान के परमाणु ठिकाने की बर्बादी की कहानी, सैटेलाइट इमेज से उठी शक की सुई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। इस बड़े हमले के बाद परमाणु साइट्स पर तबाही देखने को मिली है। हमले की जानकारी 22 जून की सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी और अपने सैनिकों की तारीफ की। साथ ही साथ कहा कि ऐसा दुनिया में कोई नहीं कर सकता है। अमेरिका ने अपने हमले में फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इस बीच फोर्डो परमाणु प्लांट पर हमले की सैटेलाइट तस्वीरें सामने आई हैं।

कॉमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी से पता नहीं चल सका है कि ईरान का फोर्डो परमाणु प्लांट जमीन के अंदर पूरी तरह तबाह हुआ भी है या नहीं। दरअसल, अमेरिका दावा कर रहा है कि प्लांट को नष्ट कर दिया गया है। एक पूर्व यूएन परमाणु निरीक्षक

डेविड अलब्राइट ने मैसिव ऑर्डनेंस पेनेट्रेटर बंकर-बस्टिंग बमों का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका ने बमों के जरिए प्लांट को छेद दिया। मैं उम्मीद करता हूं कि प्लांट को नुकसान पहुंचा होगा। विड अलब्राइट विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान के भी प्रमुख हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों से आकलन मुश्किल

वहीं, सीएनए कॉरपोरेशन के सहयोगी शोधकर्ता डेकर एवेलेथ, जो सैटेलाइट इमेजरी में विशेषज्ञ हैं ने बताया कि जमीन के अंदर तबाही की पुष्टि नहीं की जा सकी। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सेंट्रीफ्यूज वाला हॉल बहुत गहराई में दबा हुआ है, इसलिए सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर नुकसान के स्तर का आकलन करना हमारे लिए संभव नहीं है।

ईरान का फोर्डो परमाणु प्लांट पहाड़ों के बीच में है, जोकि जमीन के अंदर बना हुआ है। सैटेलाइट इमेज में छह छेद दिखाई देते हैं, जहां बंकर-बस्टिंग बम पहाड़ में घुस गए। हालांकि जमीन पर के ऊपर तबाही तो दिखती है और पूरा इलाका धूल से ढका हुआ है।

क्या ईरान ने हमले से पहले छिपा दिया था यूरेनियम?

कई विशेषज्ञों ने ये भी आगाह किया कि ईरान हमले से पहले संभवत वेपन-ग्रेड के उच्च संवर्धित यूरेनियम का भंडार फोर्डो से बाहर ले गया होगा और उसे ऐसे स्थानों पर छिपाया होगा जिनके बारे में इजराइल, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निरीक्षकों को जानकारी नहीं है। विशेषज्ञों ने मैक्सार टेक्नोलॉजीज की सैटेलाइट इमेजर देखी हैं, जिसमें गुरुवार और शुक्रवार को फोर्डो में "असामान्य गतिविधि" दिखाई दी थी। फॉर्डो प्लांट के एंट्री दरवाजे के बाहर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थीं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एक वरिष्ठ ईरानी सूत्र ने रविवार को बताया कि अमेरिकी हमले से पहले वेपन-ग्रेड 60 फ्रीसदी अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम का अधिकांश हिस्सा अज्ञात स्थान पर ले जाया गया था।

मॉन्टेरी में मिडिलबरी इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के जेफरी लुईस ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप बहुत आत्मविश्वास के साथ कुछ कर सकते हैं, सिवाय इसके कि उनके परमाणु कार्यक्रम को शायद कुछ सालों के लिए पीछे जरूर धकेल सकते हैं। निश्चित रूप से ऐसी फैसेलिटी हैं जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं है।'

ईरान में होगा सत्ता परिवर्तन? परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद ट्रंप ने किया बड़ा दावा

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करने के एक दिन बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या ईरान में सरकार बदल सकती है। सोशल मीडिया पोस्ट पर ट्रंप ने सफल ऑपरेशन के लिए अमेरिकी सेना की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि वर्तमान ईरानी शासन ईरान को फिर से महान बनाने में सक्षम नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि शासन परिवर्तन शब्द का उपयोग करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है, लेकिन अगर वर्तमान ईरानी शासन ईरान को फिर से महान बनाने में असमर्थ है, तो शासन परिवर्तन क्यों नहीं होगा? MIGA (Make Iran Great Again)। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर अपने नारे ईरान को फिर से महान बनाओ का जिक्र करते हुए लिखा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुझाव दिया कि क्या वे ईरान को अपने सरकारी नेतृत्व को अस्वीकार करते हुए देख सकते हैं, क्योंकि उनके प्रशासन के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया था कि व्हाइट हाउस शासन परिवर्तन नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि शासन परिवर्तन शब्द का उपयोग करना राजनीतिक रूप से सही नहीं है, लेकिन यदि वर्तमान ईरानी शासन ईरान को फिर से महान बनाने में असमर्थ है, तो शासन परिवर्तन क्यों नहीं होगा? हालांकि डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के रविवार सुबह के समाचार सम्मेलन से कुछ हद तक उलट है, जब उन्होंने कहा था कि शासन परिवर्तन तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर हवाई बमबारी के मिशन का हिस्सा नहीं था। ट्रंप ने अमेरिकी सेना की तारीफ की और पुष्टि की कि बी-2 सुरक्षित घर लौट आया है। उन्होंने अमेरिकी सेना को बधाई देते हुए कहा कि दुनिया में कोई और सेना नहीं है जो ऐसा कर सकती थी। अब शांति का समय है। ट्रम्प ने यह भी पुष्टि की कि ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स सुरक्षित रूप से मिसौरी में वापस आ गए हैं। उन्होंने पोस्ट किया कि महान बी-2 पायलट अभी-अभी सुरक्षित रूप से मिसौरी में उतरे हैं। अच्छी तरह से किए गए काम के लिए धन्यवाद!

ईरान में परमाणु स्थलों पर हमला

इससे पहले, ट्रंप ने पुष्टि की कि अमेरिकी सेना ने ईरान में तीन प्रमुख परमाणु स्थलों (फोर्डो, नतांज और एस्फाहान) पर बमबारी की थी। उन्होंने कहा कि हमले सटीकता और ताकत के साथ किए गए थे। हमने ईरान में तीन परमाणु स्थलों पर अपना बहुत सफल हमला पूरा कर लिया है, जिसमें फोर्डो, नतांज और एस्फाहान शामिल हैं।

ईरान पर गिरने जा रहा है अमेरिका का बंकर बस्टर बम, इस मुस्लिम देश के राष्ट्रपति को भी थी जानकारी

तेहरान। ईरान पर गिरने जा रहा अमेरिका का सबसे पावरफुल बी-2 बम...यह जानकारी अमेरिका के साथ-साथ खाड़ी देश तुर्किए के एर्दोआन को भी था। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कर एर्दोआन को ईरान के न्यूक्लियर साइट पर बम गिराने की जानकारी दी थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एर्दोआन चाहते थे कि ईरान और अमेरिका तुर्किए में डील पर बात करे। इस पर ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान राजी है तो इंस्ताबुल में आप बैठक करा लीजिए। ट्रंप ने इस बैठक के लिए अमेरिका की तरफ से अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मध्य पूर्व के विशेष राजदूत विटकॉफ को भेजने की बात कही।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फाइनल डील के लिए ईरान के राष्ट्रपति और वहां के विदेश मंत्री को भी इंस्ताबुल बुलाइए। ट्रंप का यह संदेश जैसे ही

ईरान पहुंचा, वैसे ही ईरान के सुप्रीम लीडर भड़क गए।

अमेरिकी शर्तों पर बात करने से इनकार

एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ईरान के सुप्रीम लीडर ने तुर्किए के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। खामेनेई का कहना था कि अमेरिकी शर्तों पर परमाणु वार्ता नहीं होगी।

सुप्रीम लीडर खामेनेई तेहरान के पास एक बंकर में छिपे हैं। इस संदेश को जैसे ही तुर्किए के राष्ट्रपति को पहुंचाया, वैसे ही एर्दोआन ने दूसरी बार ट्रंप को फोन किया। ट्रंप ने इसके बाद बी-2 बम से हमला करने का निर्देश दिया।

सबकी नजर- अब ईरान के पलटवार पर

पूरी दुनिया की नजर अब ईरान के पलटवार पर है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने अपने बयान में कहा है कि सख्त सजा जरूर मिलेगी। कहा जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान हमला कर सकता है। मिडिल ईस्ट में करीब 50 हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई करता है तो उसे अंजाम भुगतना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक ईरान में सत्ता परिवर्तन भी संभव है।

अब अमेरिका को मारेंगे, गिन लो 5 कारण...UNSC में ईरानी राजदूत का बड़ा ऐलान

तेहरान। ईरान के न्यूक्लियर साइट पर बंकर बस्टर बम से अमेरिकी हमले के बाद 2 सवाल उठ रहे हैं। पहला, क्या ईरान अमेरिका पर पलटवार करेगा और दूसरा ईरान कब तक यह हमला करेगा? संयुक्त राष्ट्र संघ में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरावानी ने एक सवाल का जवाब दे दिया है।

मेहर न्यूज के मुताबिक अमेरिकी अटैक को लेकर बुलाई गई यूएन सुरक्षा परिषद की बैठक में इरावानी ने कहा कि अमेरिका पर पलटवार होगा। हमारे पास इसके वैध कारण हैं। इरावानी ने अमेरिका पर अटैक करने के 5 बड़े कारण भी बताए हैं।

इन 5 वजहों से अमेरिका पर होगा अटैक

अमेरिका पर अटैक को लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरानी

राजदूत इरावानी ने जो 5 कारण बताए हैं, वो निम्न है-

1- इरावानी के मुताबिक अमेरिका ने एक शांत प्राय देश के संप्रुभता पर हमला किया है। अमेरिका के पास ईरान पर अटैक करने का कोई वैध कारण नहीं था। हम परमाणु प्रसार संधि को मान रहे थे। इसके बावजूद अमेरिका ने हम पर अटैक कर दिया।

2- इरावानी के मुताबिक अमेरिकी मिडिल-ईस्ट में आतंकवादियों का खुलकर समर्थन करता है। अमेरिका गाजा पर इजराइली हमले को लेकर कुछ नहीं बोलता है। अमेरिका मानवता विरोधी कार्यों को प्रोत्साहित करता है। पूरी दुनिया भले इस पर चुप रहे, लेकिन ईरान चुप नहीं रहने वाला है।

3- इरावानी ने दुनिया को संबोधित करते हुए कहा कि ओमान के मस्कट में 16 जून को अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता को लेकर बैठक होने वाली थी। इससे 2 दिन पहले 13 जून को ही इजराइल ने हम पर हमला कर दिया। बताइए, संधि से कौन भाग रहा है?

4- इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कासिम सुलेमानी की हत्या का भी मामला उठाया। इरावानी का कहना है कि सुलेमानी एक शीर्ष सैन्य अफसर थे, लेकिन अमेरिका ने उनकी हत्या कर दी। यह कहां से जायज है?

5- यूएन में ईरान के राजदूत इरावानी का कहना है कि इजराइल से लड़ाई के बावजूद हमारे विदेश मंत्री अब्बास अराघाची यूरोपीय देशों से शांति वार्ता को लेकर बात कर रहे थे, लेकिन अमेरिका को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने हमारे ठिकानों पर अटैक किया है। हम बदला जरूर लेंगे।

ईरान के समर्थन में खुलकर आए ये देश

ईरान के समर्थन में रूस और चीन के अलावा पाकिस्तान और नॉर्थ कोरिया भी खुलकर आ गया है। पाकिस्तान ने इसे संप्रुभता पर हमला बताया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में इस हमले को गलत करार दिया है।

दूसरी तरफ नॉर्थ कोरिया ने भी ईरान के समर्थन में बयान जारी किया है। नॉर्थ कोरिया ने अमेरिका पर निशाना भी साधा है।

योगी-शाह की 15 दिन में तीसरी बार होगी मुलाकात, काशी में 4 राज्यों की सीएम बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंच रहे हैं, जिनका स्वागत यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। 15 दिन में अमित शाह के साथ सीएम योगी की यह तीसरी मुलाकात होगी। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पहली बार मंगलवार को क्षेत्रीय परिषद की बैठक हो रही है। अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में यूपी, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री समेत चारों राज्यों के 120 अधिकारी शिरकत करेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में होने वाली क्षेत्रीय परिषद की ऐतिहासिक बैठक की मेजबानी सीएम योगी आदित्यनाथ की होगी। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय बैठक में शामिल होंगे। वाराणसी में क्षेत्रीय परिषद के सेंट्रल जोन की बैठक में शिरकत करने के लिए दो दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे अमित शाह का स्वागत चारों प्रदेश के सीएम सोमवार को लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पर करेंगे।

गृह मंत्री अमित शाह के वाराणसी आगमन पर बीजेपी ने काशी की परंपरा के हिसाब से उनके स्वागत की तैयारी की है। काशी क्षेत्र के बीजेपी अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर शाह के भव्य स्वागत की तैयारी की है। एयरपोर्ट से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव तक 11 स्थानों पर गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत किया जाएगा। बीजेपी के नेता और कार्यकर्ता ही सामाजिक वर्गों के लोग ढोल, नगाड़े और डमरू, शंख बजाने के साथ-साथ पुष्प वर्षा करके अमित शाह का स्वागत करेंगे।

शाह काशी में मंदिरों का दर्शन

वाराणसी दौरे पर अमित शाह का एयरपोर्ट पर चारों राज्यों के मुख्यमंत्री वेलकम करेंगे और उसके बाद साथ में मंदिर दर्शन के लिए भी जाएंगे। अमित शाह के साथ सीएम योगी, सीएम पुष्कर सिंह धामी, सीएम मोहन यादव और सीएम विष्णु देव साय सबसे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर जाएंगे। काशी विश्वनाथ बाबा के दर्शन करने के बाद अमित शाह कालभैरव मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना करेंगे। इस दौरान उनके साथ चारों राज्यों के सीएम और बीजेपी के वरिष्ठ नेता साथ होंगे। काशी विश्वनाथ और काल भैरव मंदिर में दर्शन के बाद अमित शाह और सभी मुख्यमंत्रियों के साथ वाराणसी के होटल ताज आएंगे। होटल ताज में अमित शाह डिनर और रात्रि विश्राम करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा रात्रिभोज आयोजन किया गया है। इस तरह अमित शाह के स्वागत और रात्रिभोज सीएम योगी के द्वारा रखा गया है, उसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

क्षेत्रीय परिषद की बैठक के एजेंडे

अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को होटल ताज में क्षेत्रीय परिषद के सेंट्रल जोन काउंसिल की बैठक होगी। सेंट्रल जोन में यूपी, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ आते हैं। इस लिहाज से चार राज्यों के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल होंगे, जिसकी अध्यक्षता शाह करेंगे तो उपाध्यक्ष की भूमिका में सीएम योगी होंगे। सेंट्रल जोन परिषद की बैठक मंगलवार को 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। इस तरह तीन घंटे तक बैठक चलेगी, जिसमें सुरक्षा व विकास सहित कई अहम महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी।

सेंट्रल जोन काउंसिल की बैठक में चार राज्यों के सीएम और मुख्य सचिव समेत कई विशिष्टजन और नीति आयोग के साथ अंतरराज्यीय परिषद के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। इस बैठक में विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े ऐसे मामले जो केंद्र सरकार के बिना नहीं सुलझ सकते, उन पर चर्चा होगी। माना जा रहा बैठक के दौरान सेंट्रल जोन वाले राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के साथ ही भारत नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामलों को लेकर चर्चा होगी। इसके अलावा हिमालय से जुड़ी नदियों को जोड़ने, पर्यावरण, खनन, कृषि, धार्मिक पर्यटन जैसे अहम मुद्दों पर भी इस बैठक में चर्चा हो सकती है।

अमित शाह गंगा आरती में होंगे शामिल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सेंट्रल जोन काउंसिल की बैठक के बाद चार मुख्यमंत्रियों के साथ लंच करेंगे। इसके बाद अमित शाह और प्रतिनिधिमंडल के सदस्य नमो घाट जाएंगे। नमो घाट पर क्रूज से अस्सी घाट तक गंगा की सैर करेंगे। इसके बाद दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती में अमित शाह शामिल होंगे। इस तरह से अमित शाह चार राज्यों के सीएम के साथ बैठक कर राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के साथ-साथ हिंदुत्व का एजेंडा सेट करते हुए नजर आएंगे। ऐसे में सभी की निगाहें इस बात पर लगी हैं कि सीएम योगी और अमित शाह के साथ बढ़ती सियासी नजदीकियां है।

शाह-योगी की 15 दिन में तीसरी मुलाकात

अमित शाह और सीएम योगी की 15 दिन में तीसरी मुलाकात होने जा रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद पहली बार 15 जून को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ एक मंच पर एक साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए। इसके लिए 9 जून को सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली जाकर अमित शाह से मुलाकात की थी।

'अनहद अहद' में डॉ. मालती बसंत और डॉ. आबिद अम्बर का सम्मान

परकाया प्रवेश जैसा है बाल साहित्य का लेखन- प्रो.संजय द्विवेदी

भोपाल। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी का कहना है कि बाल साहित्य का लेखन 'परकाया प्रवेश' जैसा है। संवेदना, वात्सल्य और मासूमियत से ही बच्चों को संबोधित किया जा सकता है,अहद जी ऐसे ही रचनाकार थे। वो बहुत बेहतर इंसान थे, इसलिए वे बच्चों के लिए प्रभावी लेखन कर पाए। प्रोफेसर द्विवेदी रविवार को हिंदी भवन में मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा शहर के सुप्रसिद्ध ग़ज़लकार एवं बाल साहित्यकार अहद प्रकाश की स्मृति में आयोजित 'अनहद अहद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. मालती बसन्त को 'अहद प्रकाश बाल साहित्य गौरव सम्मान 2025' व प्रख्यात ग़ज़लकार डॉ. अम्बर आबिद को 'अहद प्रकाश ग़ज़ल गौरव सम्मान 2025' से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लघुकथा शोध केन्द्र की निदेशक कान्ता रॉय थीं और अध्यक्षता निराला सृजन पीठ की निदेशक डॉ. साधना बलवटे ने की। कार्यक्रम में स्व.अहद प्रकाश की धर्मपत्नी फ़रज़ाना अहद मौजूद थीं।

जरूरी साहित्यिक पुरखों की याद

प्रोफेसर द्विवेदी ने कहा कि जिस समय में लोग अपने माता-पिता को भी भूल जाते हैं, ऐसे कठिन समय में अपने साहित्यिक पुरखों की याद बहुत महत्वपूर्ण है। अहद प्रकाश की याद उस परंपरा का सम्मान है,जो हममें भारतप्रेमी और संवेदनशील बनाती है। उन्होंने कहा कि अहद जी ने बाल-साहित्य लेखन से एक पूरी पीढ़ी को संस्कारवान बनाया।

स्वागत उद्बोधन में संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने संस्थान के कार्यों और अहद प्रकाश जी के जीवन पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कान्ता रॉय ने कहा कि 'अहद जी का बाल सुलभ मन सदैव सभी को जोड़ लेता रहा, आज उनकी स्मृतियों को ताज़ा करने का मौका मिला, जो निःसंदेह गरिमामय है।'

बालमन के कुशल चितेरे थे अहद प्रकाश-साधना बलवटे

अध्यक्षता कर रही डॉ. साधना बलवटे ने कहा कि 'बाल मन के कुशल चितेरे रहे अहद जी का जुड़ाव हर उम्र के लोगों के साथ सहज रहता था। बात मातृभाषा की है तो हमें अपनी मातृभाषा के प्रति जागरुक और सजग रहना चाहिए।'

इस मौके पर सम्मानमूर्ति डॉ. मालती बसंत ने अहद जी की कविता का पाठ कर सम्मान हेतु आभार व्यक्त किया। साथ ही, सम्मानमूर्ति डॉ. अम्बर आबिद ने अहद जी के जीवन से जुड़े कई प्रसंगों को साझा किया।

कार्यक्रम संचालन डॉ. मौसमी परिहार ने किया व आभार फ़रहा अहद ने माना। आयोजन में ऋषि श्रृंगारी, डॉ. मीनू पाण्डेय नयन, राही जी, मृदुल त्यागी, सरवर खान, फलक असद आदि शामिल रहे।

जब यश चोपड़ा ने अमिताभ को लेकर किया था खुलासा, कहा- जया उनकी पत्नी और रेखा उनकी गर्लफ्रेंड

जब यश चोपड़ा ने अमिताभ को लेकर किया था खुलासा, कहा– जया उनकी पत्नी और रेखा उनकी गर्लफ्रेंड

बॉलीवुड की कई फिल्में ऐसी हैं जो वही कहानी दिखाती हैं, जो असल जिंदगी में होती है। इन्हीं फिल्मों में से एक थी यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला (1981)'। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, जया बच्चन और रेखा थीं। फिल्म में लव ट्राएंगल दिखाया गया था। फिल्म में जो कहानी दिखाई गई थी वह बहुत हद तक असल जिंदगी में भी थी। उस वक्त अमिताभ बच्चन और रेखा के रिश्ते को लेकर अफवाहें थीं। यह अफवाहें तब और बढ़ गई थीं, जब फिल्म निर्माता यश चोपड़ा ने 2010 में बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि रेखा अमिताभ की 'गर्लफ्रेंड' हैं और जया बच्चन उनकी पत्नी हैं।

चश चोपड़ा ने इंटरव्यू में कहा था कि सिलसिल फिल्म को बनाना जैसे किसी टाइट रस्सी पर चलना था। उन्होंने कहा 'मैं हमेशा से डरा हुआ था क्योंकि मैं असली जिंदगी को पर्दे पर ला रहा था।' अमिताभ बच्चन ने असल जिंदगी में जया बच्चन से शादी की और खबरें बताती हैं कि वह कथित तौर पर रेखा के साथ भी जुड़े हुए थे।

शूटिंग के दौरान कुछ भी हो सकता था

फिल्म की कास्टिंग पहले से ही विवादों में थी। फिल्म निर्माता ने माना कि फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ भी हो सकता था। उन्होंने कहा 'वे एक साथ काम कर रहे थे। जया उनकी पत्नी थीं और रेखा उनकी गर्लफ्रेंड। यही कहानी असल जिंदगी में भी थी।'

अमिताभ बच्चन ने नहीं की शिकायत

बीबीसी के इंटरव्यू के प्रसारित होने के बाद कयास लगाए गए कि अमिताभ बच्चन यश चोपड़ा के बयान की वजह से परेशान थे। हालांकि बीबीसी एशियन नेटवर्क ने अमिताभ बच्चन की तरफ से किसी भी शिकायत से इंकार किया। सिलसिल फिल्म की कहानी असल जिंदगी और पर्दे पर की कहानी एक जैसी थी। यह फिल्म साल 1981 में बॉक्स ऑफिस पर तो अच्छा नहीं कर सकी थी लेकिन इसकी आज भी सराहना होती है। फिल्म में गानों की खूब तारीफ हुई। इसके अलावा अमिताभ और रेखा के मिलने को सराहा गया।

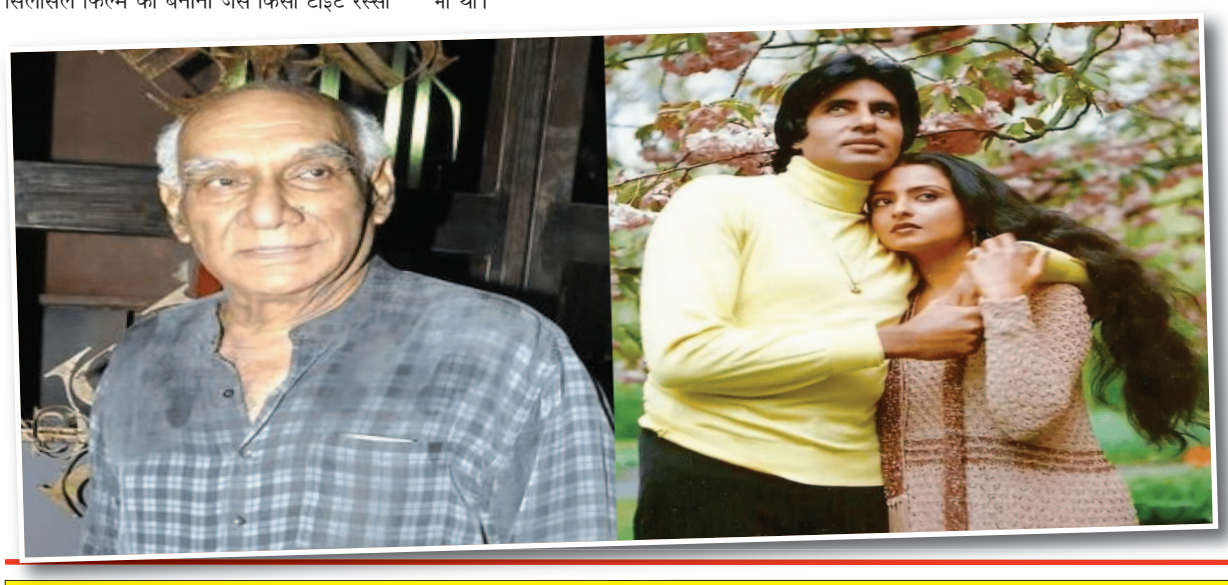

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता इब्राहिम अली खान बहुत ही क्यूट अंदाज में दिख रहे हैं और वह 'बैम्बी' पर प्यार लुटा रहे हैं। देखें वीडियो।

इब्राहिम अली खान ने 'बैम्बी' पर लुटाया प्यार, नेटिजंस बोले- 'क्या पलक तिवारी से ब्रेकअप हो गया?'

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सैफ अली खान के बेटे और एक्टर इब्राहिम अली खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसे यूजर्स खूब पसंद कर रहे हैं। उन्हें 'बैम्बी' पर खूब प्यार लुटाते देखा जा सकता है। इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस के प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। आइए जानते हैं आखिर किस प्यार पर लुटाते दिखे अभिनेता।

आखिर कौन है बैम्बी?

वायरल वीडियो में इब्राहिम अली खान को एयरपोर्ट जाते देखा जा सकता है। इसमें अभिनेता एक डॉग पर अपनी प्यार लुटाते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, उनसे जब पैपराजी ने पूछा कि उस डॉग का क्या नाम है, तो उन्होंने बताया कि उसका नाम बैम्बी है, जो एक फीमेड डॉग है। वायरल वीडियो में अभिनेता डैशिंग लुक में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कार्गो पैंट के साथ टीशर्ट पहन रखा है और उसके ऊपर कंधे पर स्वेट शर्ट डाल रखी है। साथ ही एक्टर ने गॉगल भी लगाया हुआ है, जो उन्हें कूल बना रहा है।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस इब्राहिम अली खान को ढेर सारा प्यार दे रहे हैं और उन्हें पसंद कर रहे हैं। कुछ यूजर्स ने लाल दिल वाला इमोजी कमेंट करके उन पर प्यार जताया है, तो वहीं कुछ यूजर्स ने उन्हें कहा कि शानदार। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने मजाक में बोला कि लगता है कि अभिनेता का ब्रेकअप हो गया है, जिस कारण वो अकेले घूम रहे हैं।

इब्राहिम अली खान का वर्कफ्रंट

फिल्मों की बात करें तो इब्राहिम अली खान जल्द ही काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ फिल्म 'सरजमीन' में नजर आएंगे। इसके अलावा वह करण जौहर की अगली फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' में शनाया कपूर के साथ भी दिखने वाले हैं। अभिनेता को आखिरी बार 'नादानियां' में देखा गया था।

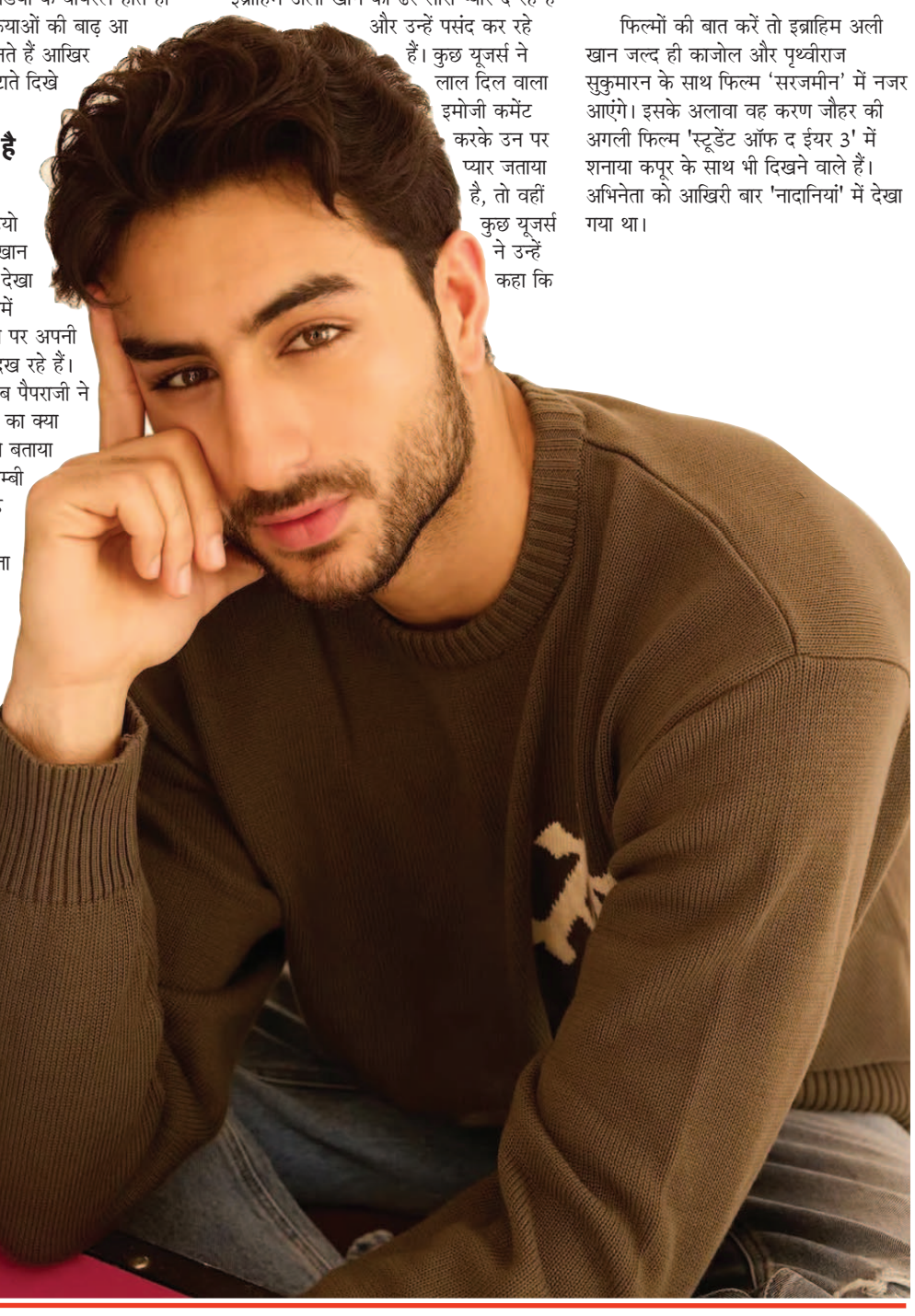

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com